डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 24 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 06 नवम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया

खाद का तनाव

केंद्रों पर कतार, सिर पर चिंता

मंदसौर, 05 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। जिले में खाद को लेकर खाद वितरण केंद्रों पर लंबी कतारें लगने लगी हैं। किसान सुबह से ही सोसाइटी पर कतारों में खडे हो रहे हैं। इधर प्रशासन ने पर्याप्त मात्रा में खाद की उपलब्धता का दावा किया है। लेकिन, लंबी कतारें बता रहीं हैं कि किसानों को बमुश्किल खाद मिल पा रहा है। डीएमओ गरिमा सेंगर का कहना है कि सरकार के निर्देश हैं कि डीएपी-यूरिया की जगह उसके सब्स्टिट्यूट खाद का उपयोग करना है। उन्होंने कहा कि यूरिया उपलब्धता कम है, लेकिन बाकी खाद पर्याप्त है। नीमच, दलौदा में रैक लगने वाली है। अभी किसानों को दो बीघा के मान से एक बैग दे रहे हैं। अगले 15 दिनों तक हमारे पास खाद की कमी नहीं है। इसके बाद उपलब्धता और डिमांड पर निर्भर करेगा।

इधर किसानों ने बताया कि यूरिया खाद की मांग अधिक है। खाद मिल जाए इसलिए सुबह ही आ ..... शेष पेज 4 पर

प्रोजेक्ट की रफ्तार में भुगतान बन रहा रोड़ा

अब तक 30 प्रतिशत ही हुआ काम, डेड लाइन तीन माह बढ़ाई

आवक थमते ही बिगड़ने लगी स्थिति...

मंदसौर शहर की प्यास बुझाने वाली शिवना नदी की पानी की आवक थमते ही फिर स्थिति बिगडने लगी है। पशुपतिनाथ मंदिर के समीप छोटी पुलिया के यहां कचरा जमने लगा है। इसके अलावा नदी में मिल रहे गंदे नालों से भी नदी की दुर्दशा हो रही है। सालभर के दौरान तेज बहाव के ने चलते सिर्फ मानसून सीजन में ही नदी की स्थिति ठीक रहती है। जैसे ही आवक बंद होती है और स्थिति खराब होना शुरू हो जाती हैं।

मंदसौर, 05 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। शिवना नदी का शुद्धिकरण प्रोजेक्ट बीते 20 माह में अब तक सिर्फ 30 फीसदी ही पूरा हो पाया है। मानसून सीजन के कारण व नदी के जलस्तर में वृद्धि के चलते बीते 4 महीने से काम रुका हुआ था। इसे अब फिर शुरू कर दिया है। लगातार हो रही देरी के कारण निर्धारित समय में काम पूरा नहीं होने पर विभाग ने प्रोजेक्ट की समयावधि भी बढा दी है। प्रोजेक्ट की डेडलाइन मार्च 2025 तय की गई है। जो पहले दिसंबर 2024 थी। प्रोजेक्ट के तहत केंद्र शासन से भुगतान में हो रही देरी का असर प्रोजेक्ट की प्रगति पर सीधे तौर पर देखने को मिल रहा है। जब कोई अडचन नहीं आई, तब भुगतान में देरी की समस्या के कारण काम प्रभावित हुआ। हालांकि विभाग का कहना है कि हाल ही में ठेकेदार के कुछ बिल क्लियर हो गए हैं। ऐसे में वर्तमान में परेशानी तो नहीं है। लेकिन, आगामी समय में दोबारा स्थिति बनती है तो प्रोजेक्ट फिर पिछडेगा। बता दें कि पूर्व में प्रोजेक्ट की समयावधि दिसंबर 2024 तक थी, इसे अब बढा दिया है। लेकिन, वर्तमान हालातों को देखते हुए करीब डेढ से दो साल का और समय प्रोजेक्ट को पूरा होने में दिख रहा है।

केंद्र सरकार के जलशक्ति मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के अंतर्गत करीब 29 करोड रुपए की लागत से चल रहे शिवना नदी के शुद्धिकरण का प्रोजेक्ट काम धीमी गति से चल रहा है। वर्तमान में पाइप लाइन बिछाने के साथ नदी के किनारे बनने वाले घाट सहित कई कार्य अधूरे हैं। ऐसे में सबसे पहले लाइन का काम पूरा करने के प्रयास किए जा रहे हैं। ताकि इसके बाद नदी में मिल रहे नालों को इस लाइन से कनेक्ट कर सकेंगे। बताया जा रहा कि अभी करीब एक हजार मीटर की लाइन डालना और बाकी है। इसके अलावा मुक्तिधाम के समीप पुलिया के नीचे से भी लाइन ले जाना है। इसके चलते काम में देरी होने की संभावना है। बता दें कि प्रोजेक्ट के शुरुआत में पाइप की किल्लत के चलते काम प्रभावित हुआ। इसके बाद जमीन विवाद के कारण समय लगा। पिछले साल मानसून सीजन के बाद काम शुरू हुआ था कि करीब ढाई करोड के बिल पेंडिंग होने के चलते ठेकेदार ने काम रोक दिया था। इसके बाद करीब 3 महीने तक काम प्रभावित रहा। जैसे-तैसे काम शुरू हुआ तो घाट के समीप पाथ-वे बनाने के लिए ठेकेदार को मिट्टी नहीं मिली। फिर बारिश के सीजन के कारण काम रूका रहा। अब ठेकेदार ने जैसे-तैसे काम शुरू कर दिया है। लेकिन, प्रशासनिक सख्ती नहीं होने के चलते काम में लगातार ढिलाई बरती जा रही है।

मेले की तैयारियां...

मंदसौर पशुपतिनाथ मंदिर परिसर में लगने वाले कार्तिक मेले को लेकर जहां नगरपालिका द्वारा मंगलवार को मेला ग्राउंड में ले आउट डालने का कार्य पूर्ण किया, तो वही आज दुकानों के आवंटन के लिए आखिरी दिन है जिसके बाद नपा सभागार में दुकानों के लिए आए सील बंद लिफाफों को खोलकर जिसकी ज्यादा राशि होगी वह दुकान उसको आवंटित कर दी जाएगी।

तेजी से बढ़ रहा डेंगू

दोहरे शतक की ओर बढ़ रहा वायरस

मंदसौर, 05 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। डेंगू के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। इस साल सरकारी आंकडा 173 पर पहुंच गया है। हालांकि निजी लैबों के मिलाकर संदिग्ध मरीजों की संख्या 350 के भी पार पहुंच गई है। इधर, त्योहारी सीजन के बाद सोमवार-मंगलवार को बडे अस्पताल में मरीजों की संख्या में बढोतरी देखने को मिली। पर्ची काउंटर से लेकर चिकित्सकों के केबिन तक कतारें लगी रहीं।

बीते दो माह से मंदसौर जिले में वायरल बुखार के साथ डेंगू का प्रकोप जारी है। शहर से लेकर अंचल तक बडी संख्या में लोग इसके जद में हैं। सरकारी के साथ निजी अस्पतालों में भी मरीजों की भारी भीड़ है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि धीरे-धीरे स्थिति में सुधार देखने को मिल रहा है। सोमवार को बडे अस्पताल में 1100 से अधिक मरीज पहुंचे। इसमें अधिकांश सर्दी-खांसी, बुखार सहित अन्य वायरल बीमारियों से पीडित शामिल थे। चिकित्सकों ने बताया कि तापमान व मौसम में बदलाव के चलते अभी असर देखने को मिल रहा है। जल्द ही स्थिति में सुधार होगा।

मलेरिया अधिकारी डॉ. दीपा पाठक ने बताया कि सोमवार को मल्हारगढ व मंदसौर ब्लॉक के दो नए मरीज सामने आए। अब तक 173 मरीज सामने आ चुके हैं। मॉनिटरिंग लगातार की जा रही है।

मंदसौर के व्यापारी का इंदौर में निधन, डेंगू का चल रहा था उपचार...

मंदसौर शहर के आदिनाथ विहार निवासी व्यापारी रिखबचंद तलेसरा (किर्लोस्कर वाले) का सोमवार को निधन हो गया।परिजनों के अनुसार बीते कुछ दिनों से वे इंदौर के अस्पताल में भर्ती थे। वहां पर डेंगू का इलाज चल रहा था। हालांकि तबियत में सुधार भी देखने को मिल गया था। लेकिन, फिर स्वास्थ्य बिगडने से सोमवार को उनका निधन हो गया। इनकी अंतिम यात्रा मंगलवार को सुबह 9 बजे निवास स्थान आदिनाथ विहार से निकली। बता दें कि शहर में डेंगू से मौत के अब तक तीन मामले सामने आए हैं। लेकिन विभाग ने किसी भी प्रकरण की पुष्टि नहीं की है।

ट्रेक्टर रिवर्स लेने पर ट्राली के पहिए के नीचे आने से युवक की मौत

पिपलियामंडी, 05 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। ट्रेक्टर - ट्राली के पहिए के नीचे आने से युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार नाहरगढ थानान्तर्गत गांव आक्यामेडी में टेक्ट्रक्टर (एमपी 14 जेडई 1319) के ड्राइवर लालचंद ने ट्रेक्टर को तेज गति में अचानक रिवर्स लिया, इस दौरान ट्राली में बैठा रामप्रसाद (25) पिता राधेश्याम मीणा नीचे गिर गया और ट्राली का पहिया रामप्रसाद पर चढ गया और उसकी मौत हो गई। पुलिस ने ट्रेक्टर ड्राइवर पर केस दर्ज किया।

मंदिर का शुद्धिकरण, दोषियों पर कार्रवाई की मांग

नीमच, 05 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। शहर के बघाना थाना क्षेत्र में कुछ असामाजिक तत्वों ने नगर की शांत फिजा बिगाडने का प्रयास किया। यहां रविवार-सोमवार की दरमियानी रात होली चौक से बालाजी मंदिर जाने वाले रास्ते पर स्थित चैतन्य महादेव मंदिर परिसर में अंडे और मांस के टुकडे फेंके गए थे। जिससे लोगों की धार्मिक भावनाए आहत हुई। मामले में पुलिस ने तत्काल उक्त घटना को अंजाम देने वालों का पता लगाने एक दर्जन से ज्यादा संदिग्धों को हिरासत में भी लिया है। संभवत: पुलिस आज कल में इस मामले को लेकर कुछ खुलासा कर सकती है। सोमवार रात को हिंदुवादी संगठनों कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ बडी संख्या में क्षेत्र के रहवासी मंदिर में एकत्रित हुए। यहां पंडितों की मौजूदगी में विधि विधान से पूजा अर्चना और मन्त्रोंच्चार के साथ मंदिर का शुद्धिकरण किया गया। इस अवसर पर महाआरती का भी आयोजन किया गया, जिसमें हर आयु वर्ग के लोग शामिल हुए। महाआरती के आयोजन के दौरान सैकडों की संख्या में शामिल लोग भगवान के जयकारे लगाते हुए दिखाई दिए।

जल्द गिरफ्तार करने की मांग– इस कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने सामूहिक हनुमान चालीसा का भी पाठ किया। कार्यक्रम में पुलिसकर्मी भी बडी संख्या में मौजूद रहे। इस अवसर पर लोगों ने पुलिस प्रशासन से अपील की जल्द से जल्द इस मामले के दोषी लोगों को गिरफ्तार किया जाए।

11 नवंबर को ओंकारेश्वर से शुरू होगी 50 किमी की नर्मदा परिक्रमा...

बड़वाह, 05 नवम्बर। निमाड एवं मालवा केग्रामीणों की आस्था और विश्वास से जुडी मां नर्मदा की पांच दिवसीय 49वीं धार्मिक ओंकारेश्वर नर्मदा लघु परिक्रमा पंचक्रोशी यात्रा 11 नवंबर से शुरू होगी। करीब 50 किमी की दुर्गम यात्रा में हजारों श्रद्धालु ओंकारेश्वर से अंजरुद, सनावद, टोकसर, सेमरला, बड़वाह, सिद्धवरकूट होते हुए वापस 15 नवंबर को ओंकारेश्वर पहुंचकर नर्मदा परिक्रमा पूर्ण करेंगे। इस संबंध में एसडीएम प्रताप सिंह अगास्या एवं एसडीओपी अर्चना रावत ने जनपद पंचायत सभा ग्रह में ब्लाक स्तरीय अधिकारियों और सरपंचों की बैठक ली। एसडीएम ने कहा कि पंचकोशी यात्रा हमारे क्षेत्र की सबसे बडी धार्मिक यात्रा है। यात्रा प्रारंभ होने के पहले व्यवस्थाएं पुख्ता करें।

पंचकोसी नर्मदा यात्रा में ऐसी होंगी व्यवस्थाएं– एसडीओपी अर्चना रावत ने कहा कि संबंधित विभाग को नाव की सूची जल्द उपलब्ध कराएं, नावों की जांच करके उन्हें अनुमति पत्र दिए जाएंगे। यात्रा मार्ग के समस्त ग्राम पंचायतों के सरपंच/सचिव तथा विभागीय अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि ग्राम पंचायत क्षेत्रान्तर्गत यात्रा मार्ग पर मुरम, कंटीली झाडिया हटाना, साफ-सफाई कराई जाए।

लाइट की व्यवस्था के लिए निर्देश दिए हैं। टैंकर, टेंट, प्रकाश तथा अस्थाई शौचालय की व्यवस्था भी करके रखें। यात्रा गुजरने के पश्चात आवश्यक साफ-सफाई की जाए। स्वास्थ्य विभाग को जगह-जगह स्वास्थ्य परीक्षण कैंप लगाने को कहा गया है। - अर्चना रावत, एसडीओपी

लोहे से बनी नावों पर प्रतिबंध, क्षमता से ज्याता सवारी न बैठाए नाविक– बाबूलाल केवट ने कहा- टोकसर से 25 नाव श्रद्धालुओं को पार कराते हैं। एसडीएम ने कहा, सभी का एस्टीमेट बनाकर दे। नाव में क्षमता से ज्यादा सवारी को न बैठाई जाए। अच्छी नाव केवल चलना चाहिए, जो टूटी हो वह नहीं चलेगी। उन्होंने कहा, लोहे की नाव से श्रद्धालुओं को पार नहीं कराने दिया जाएगा और नावों में चालक के साथ यात्रियों को लाइफ जैकेट पहनना अनिवार्य रहेगा।

✻ पहला दिन 11 नवंबर: श्रद्धालु ओंकारेश्वर से शुरू होगी। ग्राम अंजरुद में बाघेश्वरी माता के दर्शन करेंगे। मंदिर के आसपास गंदगी दूर करने एवं लाइट व्यवस्था के लिए सचिव को कहा। रात्रि विश्राम सनावद में होगा। धर्मशाला, मंडी परिसर, शासकीय भवनों आदि में यात्रियों के लिए पेयजल, रौशनी, शौचालय की व्यवस्थाओं के लिए कहा। ✻ दूसरा दिन 12 नवंबर: यात्री बड़ूद से टोकसर गोमुख घाट पहुचेंगे। कई यात्रियों को नर्मदा पार कर सेमरला भेजा जाएगा। दोनी घाटों पर बेरिकेडके लिए पीडब्ल्यूडी को जिम्मेदारी, नाव में सुरक्षा उपकरण, स्वास्थ्य विभाग कैंप लगाएगी। पुलिस सहायता केंद्र रहेंगे। गोताखोरों की तैनाती रहेगी। ✻ तीसरा दिन 13 नवंबर: यात्रा बडवाह पहुंचेगी। टोकसर एवं सेमरला में रुके यात्री बडवाह पहुंचेंगे। मंडी, नागेश्वर सहित अन्य स्थानों पर नगर पालिका, लाइट, पानी, शौचालय एवं साफ-सफाई की व्यवस्था करेगी। नपा दिन में दो बार सफाई करवाएगी। मेडिकल कैंप लगाएंगे। ✻ चौथा दिन 14 नवंबर: सुबह बडवाह से प्रस्थान होगा। कोठावां, मोदरी में रात्रि विश्राम। चिकित्सक कैंप लगाकर स्वास्थ्य संबंधी दवाइयां रखेंगे। पानी के टैकर रखे जाएंगे। वन विभाग के कर्मचारी यात्रा संबन्धित व्यवस्थाए लगाने में सहयोग देंगे। महोदर, कडियांकुंड, सिद्धवरकूट में रात्रि विश्राम। ✻ पांचवां दिन 15 नवंबर : बांध द्वारा सिद्धवरकूट से ओंकारेश्वर पहुंचेंगे। ओंकारेश्वर दर्शन कर यात्रा समाप्त होगी। एनएसडीसी को पत्र लिखकर बांध से निकलने की अनुमति मांगी जाएगी।

कड़ाके की ठंड का इंतजार

मंदसौर, 05 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। नवंबर की शुरुआत के साथ ही ठंड का असर दिखने लगा है। जिले में रात का तापमान 18 डिग्री तक पहुंच गया है। हालांकि, दिन में गर्मी बनी हुई है। इससे अधिकतम तापमान 31 डिग्री के आसपास दर्ज हुआ है। नवम्बर में जैसी ठण्ड होना चाहिए, वैसी कडाके के ठण्ड का इंतजार हैं।

मौसम जानकारों के अनुसार अगले सप्ताह से ठंडक बढेगी। इस दौरान दिन का तापमान 28 डिग्री के नीचे पहुंच जाएगा। उत्तरी क्षेत्र से उठने वाली ठंडी हवाओं से तापमान में गिरावट आएगी। मौसम विभाग के अनुसार नवंबर में सिस्टम की एक्टिविटी कम रहेगी। अरब सागर और बंगाल की खाडी से एक्टिव होने वाले साइक्लोनिक सर्कुलेशन और लो प्रेशर एरिया की वजह से कहीं-कहीं बादल या बूंदाबांदी जरूर हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर भारत में बर्फबारी होने के बाद पूरा मध्यप्रदेश ठिठुरने लगता है। इस बार नवंबर के दूसरे सप्ताह में उत्तर से ठंडी हवाएं आ सकती हैं। जिससे ठंड का असर और भी बढ जाएगा। पिछले 10 साल से यही ट्रेंड है। मौसम जानकारों के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मानसून के समाप्त होने के बाद मौसम सामान्य होता है। लेकिन, आसमान बादलों से घिरा रहता है। अक्टूबर की तरह उमस महसूस नहीं होती है। वहीं, रात के पारे में गिरावट आने लगती है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह से प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में हल्की बारिश भी होती है।

कांबिंग गश्त कर गुंडे बदमाशों व असमाजिक तत्वों के विरुद्ध की प्रभावी कार्यवाही...

200 से अधिक पुलिस कर्मी के साथ की गई कांबिंग गश्त

पुलिस कप्तान ने देर रात डीडी नगर थाने पहुंचकर किया औचक निरीक्षण

रतलाम, 05 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। दिनांक 04 नवंबर 2024- जिले में अपराध व अपराधियों पर नियंत्रण हेतु पुलिस अधीक्षक रतलाम श्री अमित कुमार के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतलाम श्री राकेश खाखा के नेतृत्व मे दिनांक 03–04 नवंबर की दरमियानी रात से सुबह सीएसपी रतलाम श्री सत्येंद्र घनघोरिया , सीएसपी जावरा श्री दुर्गेश आमों, एसडीओपी जावरा श्री शक्ति सिंह चौहान, एसडीओपी रतलाम श्री अभिलाष भलावी, एसडीओपी सैलाना सुश्री नीलम बघेल, एसडीओपी आलोट श्री मति शाबेरा अंसारी के नेतृत्व में 200 से अधीक पुलिसकर्मियों की टीम बनाकर गुंडे बदमाशों, वारंटियों, असामाजिक तत्व पर निगरानी एवं धरपकड के लिए कॉम्बिंग गश्त की गई।

पुलिस अधीक्षक स्वयं भी शहर के भ्रमण पर निकले इस दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा शहर के माणक चौक थाना क्षेत्र अंतर्गत पहुंचकर व्यापारियों एवं नागरिकों से जन संवाद किया। क्षेत्र की कानून व्यवस्थाओं, जन समस्याओं एवं सुझावों पर चर्चा की। पुलिस अधीक्षक द्वारा शहर के माणक चौक थाना क्षेत्र अंतर्गत पहुंचकर व्यापारियों एवं नागरिकों से जन संवाद किया। क्षेत्र की कानून व्यवस्थाओं, जन समस्याओं एवं सुझावों पर चर्चा की। देर रात पुलिस अधीक्षक शहर के डीडी नगर थाने पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। थाना की हवालात, ड्यूटी बल, कांबिंग गश्त, की समीक्षा की। थाना प्रभारी एवं चीता पार्टी को क्षेत्र में लगातार भ्रमण करने, क्षेत्र के होटल, लॉज, धर्मशालाओं, बस स्टैंड रेलवे, स्टेशन, शराबखोरी के अड्डों, तेज गति वाहन चालकों, शराब पीकर वाहन चलने वालों, असामाजिक तत्वों को, गुंडा बदमाशों की चेकिंग करने के दिशा निर्देश प्रदान किए।

मंदसौर: संभाग तो पहले ही बन जाना था...

मंदसौर / उज्जैन, 05 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश का राजस्थान से सटा हुआ मंदसौर जिला आजादी के बाद से अनेक प्रसंगों की ख्याति में देश प्रदेश में भी सिरमौर बनता आया है। ये शास्वत है की ख्याति जहां जिसके साथ जुडती है, इरादतन गैर इरादतन कूख्याति जोडने वाले विघ्न संतोषी प्रसंग भी साथ मिल जाते हैं। हाल का विषय मंदसौर को संभागीय मुख्यालय बनाया जाना है और भौगोलिक परिस्थितिया भी मंदसौर को मुख्यालय बनाने के हक में निष्पक्ष दृश्य बनाती है। मौका भी है दस्तूर भी है किस तरह क्षेत्रीय जनमत की मांग सदाशयता के साथ गहरा आकार लेती जा रही है। बीच के त्योहार और अन्य राज्यों के चुनाव जैसे कारणों से शिथिलता बनी हुई है पर मांग और प्रक्रिया रुकी बिल्कुल नहीं है।

लोकसभा विधानसभा क्षेत्र से राज्यों संभागों और जिलों की एक दशक में जनगणना और परिसीमन एक प्रक्रिया के चलते होता ही है। जब से केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार बनी है लोकसभा क्षेत्र के परिसीमन के साथ नई सीटों के उदय के कारण सांसदों की संख्या 700 से अधिक तक पहुंचना तय मानी जा रही है। ऐसी ही प्रक्रिया और मापदंड के चलते मध्य प्रदेश में संभाग तथा जिलों के लिए भी मांग उठना वाजिब बात है। वैसे एक बात साफ है कि मंदसौर को संभाग तो दो दशक पहले ही बन जाना था ! भौगोलिक और राजस्व की दृष्टितो पहले भी मान्यता नहीं रखती थी, आज भी यही आलम है। पर राजनीतिक हैसियत में मंदसौर के अंक गिने जाते हैं। इस दृष्टिकोण से आकलन परीक्षण कराया जाता तो मंदसौर को संभाग कभी का बन जाना था। इस जिले से अविभाजित मध्य प्रदेश को दो मुख्यमंत्री स्वर्गीय सुंदरलाल पटवा और वीरेंद्र सकलेचा मिले थे। दोनों ही जनसंघ से लेकर भाजपा के कद्दावर नेता और दृढ इच्छा शक्ति धारक नेता थे। तब अगर यह मांग उठी होती तो शायद आज उज्जैन के मुकाबले मंदसौर स्थापित संभाग चिंहित किया जाता!

चन्द्रमोहन भगत

ऐसा ऐसा इसलिए भी कहा जा रहा है कि जिलों को बनाने में भौगोलिक और राजस्व दृष्टिकोण से ज्यादा महत्व दिया जाता है क्षेत्र के राजनीतिक राजनेताओं की हैसियत को। जिलों के मामलों में उदाहरण है कि दतिया सिर्फ एक विधानसभा क्षेत्र वाला जिला है, यहां भाजपा शासन काल में नरोत्तम मिश्रा जैसे कद्दावर नेता प्रदेश के गृहमंत्री रह चुके हैं। आगर जिला भी मात्र दो विधानसभा आगर और सुसनेर को मिलाकर बनाया गया है। हरदा भी हरदा और टिमरनी से बना है। स्पष्ट है कि ऐसे विभाजन या निर्माण में सबसे शक्तिशाली दृष्टिकोण राजनेताओं की हैसियत पर निर्भर करता है न कि भौगोलिक या राजस्व दृष्टिकोण! बीच के दिनों में पूर्व मंत्री नरेंद्र नाहटा का बयान आया था कि उनकी मांग थी, जब नीमच अलग जिला घोषित किया था तभी मंदसौर को संभाग का आकार मिल जाना था। तत्समय नरेंद्र नाहटा, सुभाष सोजतिया, घनश्याम पाटीदार, महेंद्र सिंह कालूखेडा सरकार में मंत्री रहे थे किसने रोका था ! साफ कहें तो प्रतिस्पर्धा की हैसियत बटी हुई थी वरना चार मंत्री वाला संसदीय क्षेत्र संभाग न बन गया होता!

पर नरोत्तम मिश्रा जैसा जज्बा नहीं था की मात्र एक विधानसभा का जिला दतिया बनवा दिया था। इन उदाहरणों के प्रसंगवश सरकार के प्रतिनिधियों के लिए किसी शायर की ये पंक्तियां कही जा सकती है कि

'आप बस किरदार हैं अपनी हैसियत पहचानिए,
वरना फिर एक दिन कहानी से निकल जाएंगे।'

अब भी मंदसौर का संभाग बन जाना हर दृष्टि से जायज मांग है, जनमत की मांग लगातार जारी है। बस राजनेताओं को अपनी राजनीतिक हैसियत का सामूहिक परिचय देकर घोषित कराना बाकी है। अपनी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को हाशिए पर रख एक ही दल के दो सांसद, सात विधायक अगर एक हैसियत बनाकर सरकार से मांग कर बैठे तो समझो मंदसौर, संभाग बन ही गया...।

विचार-मंथन

कश्मीर में सरकार गठन के साथ ही बढ़े आतंकी हमले

जबसे जम्मू-कश्मीर में नई सरकार बनी है, वहां आतंकी हमले बढ़ गए हैं। निस्संदेह यह चिंता का विषय है। माना जा रहा था कि विधानसभा चुनाव के बाद वहां स्थानीय लोगों के हाथ में व्यवस्था आएगी तो दहशत का सिलसिला रुक जाएगा। मगर स्थितियां इसके उलट नजर आ रही हैं। वहां सरकार बनने के बाद अब तक पांच आतंकी हमले हो चुके हैं, जिनमें बाहरी मजदूरों और सुरक्षाबलों को निशाना बनाया गया। ताजा घटना बडगाम की है, जिसमें उत्तर प्रदेश के दो लोगों को गोली मार दी गई। हालांकि हर आतंकी घटना के बाद सेना का तलाशी अभियान तेज हो जाता है और कुछ आतंकियों को मार गिराया जाता है। मगर यह सवाल अपनी जगह बना हुआ है कि आखिर क्या वजह है कि पिछले दस वर्षों से आतंकवाद समाप्त करने के तेज अभियान के बावजूद इसकी जड़ें घाटी में जमी हुई हैं। सरकार बार-बार दावे करती रही है कि घाटी में आतंकवादियों की कमर टूट चुकी है, वे केवल कुछ क्षेत्रों तक सिमट कर रह गए हैं। मगर हकीकत यह है कि कुछ-कुछ अंतराल पर दहशतगर्द अपनी साजिशों को अंजाम देने में कामयाब हो जाते हैं। पिछले दस वर्षों से वहां गहन तलाशी अभियान चलाए जा रहे हैं। अलगाववादी संगठनों के नेताओं और आतंकवादियों को वित्तपोषण करने वालों पर नकेल कसी जा चुकी है। ऐसे बहुत सारे लोगों को सलाखों के पीछे डाला जा चुका है, हजारों बैंक खाते बंद किए जा चुके हैं। सीमा पार से जिन रास्तों से दहशतगर्दों को मदद मिल सकती थी, वे सारे बंद कर दिए गए हैं। इन वर्षों में बहुत सारे दहशतगर्द और उनके सरगना मारे जा चुके हैं। इसके बावजूद अगर वहां लक्षित हिंसा का सिलसिला रुक नहीं रहा, सुरक्षा बलों पर घात लगा कर हमले कम नहीं हो पा रहे हैं, तो इसके पीछे क्या वजह हो सकती है? छिपी बात नहीं है कि घाटी में दहशतगर्दी को पोसने में पाकिस्तान का हाथ है, मगर पिछले कुछ वर्षों में देखा गया है कि स्थानीय युवाओं ने भी हाथ में हथियार उठाना शुरू कर दिया है। यह खुलासा खुद सरकार ने किया था, जब कोरोना के बाद घाटी में आतंकवाद से संबंधित रपट पेश की थी। चूंकि कश्मीर की स्थिति ऐसी है, जिसमें केवल राज्य सरकार से आतंकवाद से निपटने का दावा नहीं किया जा सकता। सेना, केंद्रीय सुरक्षाबलों और खुफिया एजंसियों को इसे रोकने के व्यापक अधिकार दिए गए हैं। इसलिए इस मसले पर अपेक्षाएं केंद्र से ही बनी हुई हैं। ताजा घटना के बाद जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने आतंकवाद को राजनीतिक रंग देने की कोशिश की है। उनका कहना है कि आतंकवादियों को मारने के बजाय पकड़ कर उनसे पूछताछ की जानी चाहिए कि वे किसकी शह पर काम कर रहे हैं। फारूक अब्दुल्ला ने यह भी शक जाहिर किया है कि नई सरकार बनने के बाद आतंकी हमले तेज होने के पीछे उनकी पार्टी की सरकार गिराने की साजिश भी हो सकती है। आतंकवाद को किसी सियासी चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। इस तरह उसके खिलाफ चलाए जा रहे अभियान कमजोर पड़ते हैं। अब जम्मू-कश्मीर में नई सरकार बनी है, तो उससे अपेक्षा की जाती है कि वह केंद्र के साथ मिल कर इस समस्या से पार पाने की रणनीति तैयार करेगी और समन्वित रूप से इस दिशा में आगे बढ़ा जाएगा।

सामाजिक समरसता के लिए लगातार सक्रिय संघ

उमेश चतुर्वेदी

मौजूदा दौर में शासन की सबसे बेहतरीन व्यवस्था जिस संसदीय लोकतंत्र को माना गया है, उसकी एक कमजोरी है। वोट बैंक की बुनियाद पर ही उसका समूचा दर्शन टिका है, इसलिए समाज को बांटना और उसके जरिए भरपूर समर्थन जुटाना उसकी मजबूरी है। यही वजह है कि कभी वह जानबूझकर, तो कभी अनजाने में समाज को बांटने की कोशिश करती नजर आती है। राजनीति के इन संदर्भों पर जब गौर करते हैं तो उसके ठीक उलट वैचारिकी से आगे बढ़ता हुआ एक संगठन दिखता है। निश्चित तौर पर वह संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ है। शतकीय यात्रा की ओर बढ़ रहा संघ हिंदू समाज को एक रखने के ध्येय वाक्य से रंच मात्र भी पीछे नहीं हटा। लेकिन राजनीति को जब भी मौका मिलता है, वह संघ को अपने दायरे में खींचने और उसको सवालों के कठघरे में खड़ा करने की कोशिश करने लगती है। राजनीति को संघ को सवालों के घेरे में लाने का मौका हाल ही में मथुरा में दिए सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले के बयान से मिला है। दत्तात्रेय होसबोले ने हिंदू समाज को एक रखने के संदर्भ में योगी आदित्यनाथ के बयान 'कटोगे तो बंटोगे' का समर्थन किया है। योगी आदित्यनाथ ने पहली बार यह विचार अगस्त महीने में लखनऊ में कल्याण सिंह की याद में आयोजित एक कार्यक्रम में जाहिर किया था। उन दिनों बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार का तख्तापलट की घटना ताजा थी। उसके बाद वहां के अल्पसंख्यकों यानी हिंदुओं पर चौतरफा हमले और अत्याचार जारी थे। उसका हवाला देते हुए आदित्यनाथ ने हिंदू समाज को इस नारे के जरिए एक रहने का संदेश दिया था। चूंकि भारतीय राजनीति का एक बड़ा हिस्सा अब भी सेकुलरवाद के चश्मे से ही दुनिया को देखता है, लिहाजा उसके निशाने पर आदित्यनाथ का यह बयान आना ही था। आदित्यनाथ का यह बयान राजनीति की दुनिया के उनके विरोधियों को घोर सांप्रदायिक लगना ही था। और जब इस बयान का दत्तात्रेय होसबोले का भी साथ मिल गया तो सांप्रदायिकता के छद्म विचार के आवरण में राजनीति करने वाली ताकतों को मौका मिलना स्वाभाविक है। संघ को संकुचित अर्थों में हिंदुत्व का समर्थक बताया जाता रहा है। ऐसा करते वक्त सावरकर के उस विचार को भुला दिया जाता है, जो यह बताता है कि भारत वर्ष में जो भी जन्मा है, वह हिंदू है। तीन देशों की सीमाओं में बंट चुके भारत में मौलिक रूप से कोई गैर हिंदू है ही नहीं। पाकिस्तान के पत्रकार वसीम अल्ताफ का ट्वीट दीपावली के दिन एक्स पर चर्चा में रहा। जिसमें उन्होंने लिखा था कि काश उनके भी पूर्वज कुछ और तनकर खड़े रहते तो उन्हें भी होली और दीपावली जैसे उत्साह वाले त्योहार मनाने को मिलते। अपने इस ट्वीट के जरिए एक तरह से वे जाहिर कर रहे थे कि उनके पूर्वज भी हिंदू ही थे। संघ इसी विचार को मानता है, भारतीय यानी हिंदू। भारतीय समाज को कभी सांप्रदायिकता के आवरण में बांटा गया तो कभी जाति की संकीर्ण सोच के बहाने। संघ अपने जन्म से ही दोनों ही वैचारिकी का विरोध करता रहा है। इसके बावजूद उस पर कभी ब्राह्मणवादी होने तो कभी कुछ का आरोप लगता रहा है। किसी भी संगठन के किसी भी व्यक्ति के निजी तौर पर अपने विचार हो सकते हैं, उसकी सोच का असर उसके व्यक्तित्व पर पड़ सकता है। लेकिन वैचारिक रूप से संघ में ऊंच-नीच, भेदभाव की सोच नहीं रही है। महात्मा गांधी ने भी संघ के 1934 के वर्धा के शिविर का दौरा किया था। संघ के उस शिविर में छूआछूत और ऊंचनीच का भाव न देखकर गांधी जी बहुत प्रभावित हुए थे। उन दिनों गांधी जी छूआछूत के खिलाफ अभियान चला रहे थे। उन्होंने तब माना था कि संघ के ऐसे प्रयास भारतीय समाज में बराबरी का भाव लाने में सफल हुए। राजनीति अक्सर महात्मा गांधी को लेकर संघ पर आरोप लगाती है कि वह महात्मा गांधी को नहीं मानता। संघ को सामाजिक रूप से बांटने को लेकर जब भी हमला किया जाता है, अक्सर गांधी विचार का ही सहारा लिया जाता है। हालांकि संघ ने कभी ऐसी कोई मंशा जाहिर नहीं की। उलटे गांधी संघ के समानता के विचारों से प्रभावित रहे। जिसकी तसदीक उनके द्वारा ही प्रकाशित हरिजन पत्रिका के 28 सितंबर 1947 के अंक में प्रकाशित एक रिपोर्ट करती है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, गांधी जी ने दिल्ली में सफाईकर्मियों की बस्ती में हुए संघ के एक कार्यक्रम में 16 सितंबर 1947 को हिस्सा लिया था। इस रिपोर्ट में लिखा है,-गांधी जी ने कहा कि वे कई साल पहले वर्धा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शिविर में गए थे, जब संस्थापक श्री हेडगेवार जीवित थे। स्वर्गीय श्री जमनालाल बजाज उन्हें शिविर में ले गए थे और वे (गांधी) उनके अनुशासन, अस्पृश्यता की पूर्ण अनुपस्थिति और कठोर सादगी से बहुत प्रभावित हुए थे।- पहले कर्नाटक और बाद में बिहार में हुई जाति जनगणना के बाद राजनीति का एक हिस्सा पूरे देश में जाति जनगणना कराने को लेकर अभियान छेड़े हुए है। भारत में पहली बार जाति जनगणना 1931 में हुई थी। अंग्रेजों ने इसका इस्तेमाल भारत में अपने राज बचाने की कोशिश के रूप किया था। शायद दूसरे विश्व युद्ध और स्वाधीनता आंदोलन की तेजी की वजह से 1941 में जनगणना नहीं हुई। आजादी के बाद 1951 की जनगणना की जब तैयारी चल रही थी तो राजनीति के एक हिस्से ने जाति जनगणना की मांग रखी थी। लेकिन जनगणना के प्रभारी मंत्री के नाते तत्कालीन स्वराष्ट्र मंत्री सरदार पटेल ने इस मांग को खारिज कर दिया था। पटेल का मानना था कि जाति जनगणना से सामाजिक तनाव बढ़ेगा और अंततः वह विखंडन को ही बढ़ावा देगा। कुछ ऐसी ही सोच संघ की भी है। हालांकि कुछ दिनों पहले संघ के प्रचार प्रमुख सुनील अंबेडकर ने जाति जनगणना का समर्थन किया था। जिससे माना गया था कि संघ भी जाति जनगणना के पक्ष में है। ऐसी सोच रखने वालों ने अंबेडकर के विचार के अगले हिस्से पर ध्यान नहीं दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रशासनिक कार्यों के लिए ऐसे आंकड़े जुटाए जा सकते हैं, लेकिन उनका राजनीतिक दुरुपयोग नहीं होना चाहिए।

ऑनलाइन खाने का तेजी से बढ़ रहा चलन...

गिरिश पंकज

मध्यमवर्गीय समाज के कुछ लोग इन दिनों अनेक धनपतियों को देख-देख कर खुद को उनके जैसा ही दिखाने के भ्रम में कर्ज में डूबते चले जा रहे हैं। मासिक किस्त यानी 'ईएमआइ' के भरोसे अपने आप को 'रिच' यानी धनी महसूस करने की मानसिकता में लोग मतवाले हुए जा रहे हैं। इस व्यामोह से कुछ किशोर और यहां तक कि बच्चे भी ग्रस्त दिखते हैं। पिछले दिनों एक निजी स्कूल में पढ़ने वाली एक शिक्षिका उच्च विद्यालय में पढ़ने वाले अपने बच्चे के बारे में अपनी सहेली को दुखी होकर बता रही थी कि मेरे बेटे को शहर के सिनेमा हाल में जाकर फिल्म देखना ही पसंद नहीं। उसे किसी माल में जाकर फिल्म देख कर ही संतुष्टि मिलती है और वहां जाने के बाद जब तक वह सात सौ रुपए वाला बड़ा पापकार्न खरीद कर न खाएं, तब तक उसे चैन नहीं पड़ता। ऐसा वह सिर्फ इसलिए करता है कि तब उसे 'रिच फीलिंग' (अमीर दिखने की अनुभूति) होती है। वह खुद को अनेक धनपतियों की श्रेणी में खड़ा पाता है।वह किसी सामान्य दुकान से कपड़े नहीं खरीदता, बल्कि किसी बड़े माल में जाकर मशहूर ब्रांड के पैंट-शर्ट, जूते, घड़ी आदि खरीद कर पहनने का आदी हो चुका है। उसकी मां आए दिन बेटे की आनलाइन खरीदारी से भी परेशान हैं। घर में तीन-चार चश्मे पहले से पड़े हुए हैं। मगर उसे मोबाइल में आनलाइन कारोबार वाली किसी वेबसाइट पर कोई नया चश्मा पसंद आ जाएगा, तो फौरन आर्डर कर देगा। चमकदार जूते, घड़ी आदि नजर आते ही वह आर्डर कर देगा, भले ही ये सब चीजें उसके पास पहले से ही मौजूद हों। मां समझाती है, पर वह मानता नहीं। इस उद्धरण को सिर्फ संदर्भ के तौर पर देखा जा सकता है। सच यह है कि ऐसे बच्चे और उनकी ऐसी सोच-समझ और व्यवहार अब समाज में आम मामलों की तरह देखा जा सकता है। सक्षम तबकों से आने वाले ज्यादातर बच्चे इसी मानसिक ढांचे के तहत अपना जीवन-चक्र आगे बढ़ा रहे हैं। दिखावा एक सामाजिक मूल्य बनता जा रहा है। मगर इस सबसे बेखबर समाज के दूसरे वर्ग भी दिखावे के इस रोग की गिरफ्त में आ रहे हैं। एक नशा बाहर के खाने का भी है। अब अनेक बच्चों को घर का खाना पसंद नहीं आता, आनलाइन पिज्जा और ठंडे पेय मंगा कर खाना-पीना उसे खूब भाता है। आनलाइन खरीदी का नशा अलग है। ऐसे तमाम बच्चे हैं, जिनकी मां की एक बड़ी राशि बेटे की आनलाइन खरीदारी में चली जाती है। वह बार-बार समझाती है, लेकिन अमीर होने के अहसास होने से मार की वजह से यह बात समझ में नहीं आती कि मां को अपनी सीमित तनख्वाह के भरोसे महीने भर घर चलाना है। मां की आर्थिक दिक्कत से बेटे का कोई सरोकार नहीं। उसे अपनी अमीर होने की अनुभूति की चिंता है। मसलन, कभी-कभी आंदोलनकर्मी नारे लगाते हैं कि 'चाहे जो मजबूरी हो, हमारी मांगें पूरी हों'। इसी तरह, कुछ बच्चों की जिद रहती है कि भले ही माता-पिता के बैंक खाते में पैसे खत्म हो गए हों, मगर उन्हें जो चीज चाहिए तो वह चाहिए ही। इस तनाव में मां को मजबूरी में कहीं से उधार मांगना पड़ता है। ऐसे अनेक बच्चे मध्यवर्गीय परिवारों में मौजूद हैं, जो आर्थिक हैसियत न होने के बावजूद सिर्फ इसलिए अनाप-शनाप चीजें खरीद लेते हैं कि उनकी 'रिच फीलिंग' बरकरार रहे। माता-पिता को कर्ज में डुबोकर बच्चे बड़े आत्मविश्वास में भरकर कहते हैं कि जब वे कमाने लगेंगे, तो महंगी कार खरीदेंगे, पूरी दुनिया की सैर करेंगे, भले ही अभी पुरानी कार खरीदने की भी आर्थिक हैसियत नहीं हो, मगर अमीरी के सपने देखने में कोई कमी नहीं। एक पिता अपने दो बेटों की इसी मानसिकता से त्रस्त थे कि उसके कारण ही वे कर्ज में डूबे हुए हैं। 'आमदनी अठन्नी, खर्चा रुपैया' वाली स्थिति है। ऐसे अहसास के शिकार वे बच्चे अधिक हैं, जो पढ़ाई-लिखाई को गंभीरता से नहीं लेते और हर समय स्मार्टफोन में नजरें गड़ाए रखते हैं। अब तो स्मार्टवाच भी है, जिसमें मनोरंजन के बहुत से इंतजाम हैं। ऐसे बच्चों की महंगी फरमाइशों को पूरा करते-करते अभिभावक परेशान हो जाते हैं, लेकिन अपने बच्चों को समझा ही नहीं पाते कि हम तुम्हारे अमीर होने के अहसास को और बर्दाश्त नहीं कर सकते। कड़े शब्दों का प्रयोग इसलिए भी नहीं करते कि कहीं इसका दुष्परिणाम न हो। आए दिन ऐसी घटनाएं होती रहती हैं, जिसमें मां ने डांट दिया तो लड़का घर से भाग गया।

ऑफिस जाना अच्छा

हाल में एक ग्लोबल स्टडी से पता चला है कि टीम में काम करना मेंटल हेल्थ के लिए बेहतर होता है। खासकर भारत में, वर्क फ्रॉम होम के मुकाबले वर्क फ्रॉम ऑफिस मॉडल अधिक लाभदायक पाया गया। मेंटल हेल्थ को सबसे ज्यादा प्रभावित करने वाला फैक्टर सहकर्मियों के साथ रिश्ते होते हैं। अमेरिका स्थित एक माइंड रिसर्च ऑर्गनाइजेशन की ओर से हाल में करवाई गई एक ग्लोबल स्टडी की रिपोर्ट ने वर्क कल्चर और मेंटल हेल्थ के रिश्तों पर नए सिरे से रोशनी डाली है। रिपोर्ट ऐसे समय आई है जब भारत में वर्कलोड और ऑफिस के तनाव भरे माहौल पर बहस गर्म है। खासकर पिछले दिनों पुणे में हुई 26 साल की एक चार्टर्ड अकाउंटेंट की मौत ने इस बहस को तेज कर दिया है। कोविड-19 के प्रभावों से वर्क फ्रॉम होम मॉडल का चलन बढ़ा था। एंप्लॉयीज का एक वर्ग अभी भी इसी को पसंद करता है और कंपनियों को उन्हें ऑफिस बुलाने में मुश्किलों का भी सामना करना पड़ा। लेकिन रिपोर्ट में यह तथ्य स्थापित हुआ है कि अकेले काम करने के बजाय टीम में काम करना मेंटल हेल्थ के लिए बेहतर होता है। खासकर भारत में वर्क फ्रॉम होम के मुकाबले वर्क फ्रॉम ऑफिस मोड अपनाने वालों के मेंटल हेल्थ इंडिकेटर्स बेहतर पाए गए। हालांकि अमेरिका और यूरोप में हाइब्रिड मोड (यानी कुछ दिन घर से काम और कुछ ऑफिस से) को सबसे अच्छा पाया गया। वर्क लोड और ऑफिस के माहौल का जहां तक सवाल है तो रिपोर्ट बताती है कि मेंटल हेल्थ इंडिकेटर्स का रिश्तों से बड़ा गहरा नाता है। मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाए रखने वाला सबसे बड़ा फैक्टर है सहकर्मियों के साथ रिश्ता। सर्वे में यह बात सामने आई कि वर्कलोड और फ्लेक्सिबल टाइमिंग जैसे फैक्टर भी मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं, लेकिन सबसे ज्यादा मायने रखता है साथ काम कर रहे लोगों के साथ रिश्ता पॉजिटिव है या नहीं, अपने काम के साथ गर्व का भाव जुड़ा है या नहीं और वर्कप्लेस पर पूछ है या नहीं। यह रिपोर्ट मेंटल हेल्थ से जुड़ी बहस को वर्क-लाइफ बैलेंस के पारंपरिक दायरे से आगे ले जाती है। इस मुद्दे को पर्सनल लाइफ और प्रफेशनल लाइफ के दो अलग-अलग खांचों में देखने की परिपाटी से अलग यह इस मसले पर संपूर्णता में विचार करती है जिससे यह तथ्य रेखांकित होता है कि मानसिक सेहत का मसला लोगों के साथ हमारे रिश्तों से जुड़ा है जो घर के भी हो सकते हैं और वर्कप्लेस के भी। वर्कप्लेस के जिन तनावों की बात अक्सर की जाती है, वे भी काफी हद तक सहकर्मियों के आपसी रिश्तों से निर्धारित होते हैं। निश्चित रूप से वर्कप्लेस पर बढ़ते तनाव के मसले को एंप्लॉयी-एंप्लॉयर संबंधों से पूरी तरह काटकर नहीं देखा जा सकता। इसका एक सिरा काम के घंटों और एंप्लॉयी से एंप्लॉयर्स की अपेक्षाओं से भी जुड़ता ही है, लेकिन रिपोर्ट ने कई अन्य अहम पहलुओं की ओर ध्यान खींचा है जो अक्सर बहस में अनदेखे रह जाते हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि इससे वर्कप्लेस को बेहतर बनाने के प्रयासों में और मजबूती आएगी।

आज का राशिफल

मेष — [illegible] शुभांक-2-6-6

वृषभ — [illegible] शुभांक-3-4-5

मिथुन — [illegible] शुभांक-2-4-5

कर्क — [illegible] शुभांक-4-6-7

सिंह — [illegible] शुभांक-4-6-8

कन्या — [illegible] शुभांक-2-5-7

तुला — [illegible] शुभांक-3-5-7

वृश्चिक — [illegible] शुभांक-2-4-6

धनु — [illegible] शुभांक-4-6-8

मकर — [illegible] शुभांक-4-7-9

कुंभ — [illegible] शुभांक-3-5-7

मीन — [illegible] शुभांक-2-4-6

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5408

8		3		1	6			
	9	1					6	
2	6	4						
			4	6			7	2
	7			3			5	
4	3			5	2			
						1	8	5
	8					7	4	
			1	7		2		3

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5407

8	3	6	9	5	7	1	2	4
2	7	1	3	8	4	9	6	5
5	9	4	1	2	6	8	7	3
3	2	7	4	6	1	5	9	8
9	1	8	5	7	3	6	4	2
6	4	5	2	9	8	7	3	1
7	6	2	8	4	5	3	1	9
1	8	9	7	3	2	4	5	6
4	5	3	6	1	9	2	8	7

वर्ग पहेली 5408

संकेत: बाएं से दाएं
1. 2002 को इस देश के [illegible] नए राष्ट्रपति चुने गए (4)
4. यह पश्चिमी प्रशांत में आर्किपेलागो है जो 26 द्वीपों और 300 से अधिक आइसलेट्स से बना है जिसकी राजधानी मेलेकिओक है (3)
7. काम, कार्य, कर्म (2)
8. समकोटिक, समान, समकक्ष (3)
9. एक प्रकार का चंचल पक्षी जो चितकबरा और काला दो प्रकार का होता है (3)
11. बोझा या सामान उठाकर अपनी आजीविका चलाने वाला (2)
12. कोणयुक्त, नाश या अनुपस्थिति (2)
13. कला आदि सिखलाने वाला (2)
14. मिथ्या संवाद, झूठी खबर (2)
16. शतरंजी, बिछाने का मोटा कपड़ा (2)
17. भारत की मुख्य भाषाओं में से एक (3)
19. धातु या मिट्टी आदि का टोंटीदार लोटा जो पूजादि में प्रयुक्त होता है(3)
21. पाशबद्ध करना, सिकुड़ना (4)
22. फटे हुए कपड़े या छेद में तागा भरकर उसे बंद करना (2)
23. नृत्य करना (3)
24. हिमाचल प्रदेश राज्य की पहाड़ियों का एक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल है (3)

ऊपर से नीचे
1. मौन करना, चुप करना (5)
2. दुर्ग, अपभ्रंश, कगार, किलाड़ (3)
3. एक पहर, तीन घंटे का समय (2)
4. [illegible], गोलाकार अस्थियों का पिंजरा (3)
5. [illegible] का धर्माचार्य, वज्राचार्य (2)
6. फूल, रोम, मेष, लोम (2)
10. कथन, भाषण (4)
11. भूतपूर्व या दुर्भिक्ष को यह भी कहा जाता था (4)
13. लापता, पलायित, विलुप्त (2)
15. परिधान, वेश, जामा, ड्रेस (4)
18. सही आकार होना, आकार अनुकूल होना (4)
20. न्यौछावर करना, उत्सर्ग करना (3)

वर्ग पहेली 5407 का हल

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	मा		टी
[illegible]	[illegible]	[illegible]	र	ना		[illegible]	[illegible]
[illegible]		ह			ग	[illegible]	र
न	[illegible]	ल		गु	म	ना	म
	र		[illegible]	[illegible]	क	म	ल
स	[illegible]	कु	मा	र		ला	
त			[illegible]		कि		आ
ना	रा	य	ण		जी	व	न

नपाध्यक्ष ने मेला समिति के साथ मेला स्थल का निरीक्षण किया

मंदसौर, 05 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। दिनांक 11 नवम्बर से 30 नवम्बर तक नगरपालिका परिषद के द्वारा भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव का 62वां भव्य मेला आयोजित किया जाना है। मेला की व्यवस्थाये चाक चौबंद हो तथा मेला में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा मिले इसके लिये नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने कल राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री नानालाल अटोलिया एवं मेला समिति के सभापति व सदस्यों के साथ पशुपतिनाथ मेला स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री श्री विजय अठवाल, भाजपा जिला कोषाध्यक्ष राजू चावला, पूर्व नपा सभापति श्री मुकेश खमेसरा, पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्री तेजपालसिंह शक्तावत, नपा मेला सभापति श्रीमती भावना जयप्रकाश पमनानी, स्वास्थ्य समिति सभापति दीपमाला मकवाना, मेला समिति सदस्यगण श्रीमती रेखा राजेश सोनी ऐरावाला, श्रीमती दिव्या अनूप माहेश्वरी, दीपक गाजवा, ईश्वरसिंह चौहान एडवोकेट, श्रीमती माया भावसार, श्रीमती संगीता शैलेन्द्र गोस्वामी, पार्षद प्रतिनिधिगण संजय गोयल, राकेश भावसार, राजेश सोनी एरावाला, अनूप माहेश्वरी, शैलेन्द गोस्वामी, नपा सीएमओ सुधीरकुमार सिंह, मेला अधिकारी पी.एस. धारवे, नपा उपयंत्री एस.पी.सिंह, रोहित कैथवास, मेला लिपिक राजेन्द्र नीमा, नपा राजस्व अधिकारी मंगेशराव नवले, भाजपा नेता बंशी राठौर, अशोक पोरवाल, अभिषेक खमेसरा सहित नपा के कई कर्मचारीगण भी उपस्थित थे।

नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने निरीक्षण के दौरान मनिहारी बाजार, चन्द्रपुरा मेन रोड़, पशुपतिनाथ मंदिर क्षेत्र का निरीक्षण किया तथा यहां की व्यवस्थाओं के संबंध में सीएमओ व मेला अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिये। मेला अधिकारी श्री पी.एस. धारवे ने नपाध्यक्ष व मेला समिति को अवगत कराया कि मेला स्थल की ओर जाने वाले सभी मार्गों पर पेचवर्क का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। काश्तकार होटल से पशुपतिनाथ की छोटी पुलिया, महाराणा प्रताप बस स्टेण्ड से शुक्ला चौक होते हुए पशुपतिनाथ की बड़ी पुलिया तक, मेनपुरिया चौराहा से पशुपतिनाथ चौराहा तक रोड पर जहां भी पेचवर्क यिा जाना था वह पूर्ण हो गया है। मेला ग्राउण्ड में जहां अस्थायी दुकाने लगायी जाना है वहां भूखण्डों की लाईनिंग का कार्य शुरू हो गया है। मेला स्थल पर विद्युतीकरण एवं पेयजल के प्रबंध के संबंधित कार्य किये जा रहे है। नपाध्यक्ष ने अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये।

मेला की व्यवस्थाओं को सराहा संगठन पदाधिकारियों ने- निरीक्षण के दौरान किसी अन्य कार्य से मेला स्थल पर पहुंचे भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया व जिले के अन्य पदाधिकारियों ने नपा के द्वारा इस वर्ष मेले के लिये समय से पूर्व की जा रही व्यवस्थाओं को सराहा और कहा कि दीपावली के पूर्व आवश्यक कार्य पूर्ण होने से इस वर्ष मेला की व्यवस्थाएं बेहतर होगी और मेला अपने नाम के अनुरूप पूरे देश व प्रदेश में नाम गौरवान्वित करेगा।

बाहर से आये व्यापारियों से चर्चा की नपाध्यक्ष ने- निरीक्षण के दौरान अपने व्यापार व्यवसाय हेतु मेला स्थल पर मौजूद बाहर से आये व्यापारियों ने नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर व मेला सभापति श्रीमती भावना पमनानी से चर्चा की ओर व्यापारियों के हित के लिये जो भी आवश्यक कार्य नपा के द्वारा किया जाना है उस संबंध में नपा के अधिकारियों कर्मचारियों से चर्चा भी की और उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिये। नपाध्यक्ष ने कहा कि व्यापारियों को मेले में किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं आवे इसके लिये नपा प्रयत्नशील है।

हम दल से पहले देश की बात करने वाली पार्टी के भाग्यशाली कार्यकर्ता है-भार्गव

भाजपा के 18 मंडलों में संगठन पर्व 2024 के मंडल संगठनात्मक चुनाव सहयोगी नियुक्त, मंदसौर जिले की संगठन पर्व की कार्यशाला संपन्न

मंदसौर, 05 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी मंदसौर जिले की संगठन पर्व की जिला कार्यशाला सोमवार को जिला मुख्यालय स्थित स्थानीय शुभाकमना रिसोर्ट में जिला संगठन चुनाव प्रभारी एंव इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव के मुख्य आतिथ्य एंव भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। कार्यशाला में जिला संगठन चुनाव सह प्रभारी मानसिंह माछौपुरीया एंव राजेन्द्र सुराना, केबीनेट मंत्री बाबूलाल बंजारा, जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा पाटीदार, विधायक गण हरदीप सिंह डंग, चन्दरसिंह सिसोदिया, भाजपा जिला महामंत्री गण विजय अठवाल, गणपत सिंह आंजना, राजेश दीक्षित मंचस्थ थे। कार्यशाला का शुभारंभ पं.दीनदयाल उपाध्याय एंव डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। तत् पश्चात भाजपा जिलाध्यक्ष सहित जिला पदाधिकारियों ने मंचस्थ अतिथि गणों का स्वागत किया। मंचस्थ अतिथि गणों का परिचय भाजपा जिला महामंत्री विजय अठवाल ने करवाया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए जिला संगठन चुनाव प्रभारी एंव इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि पार्टी का प्राथमिक सदस्यता अभियान और सक्रिय सदस्यता अभियान 15 नवंबर तक जारी रहेगा। हमें उन बूथों और मंडलों में प्राथमिक सदस्यता पर ध्यान देना चाहिए जहां बूथ पर 50 से कम सदस्य है। हमें प्रत्येक मंडल में कम से कम 50 महिलाओं को भी सदस्य बनाना है। उन्होंने कहा कि सक्रिय सदस्यता पंजीकरण शुरू हो गया है। पात्र सदस्यों को तेजी से सदस्य बनाया जाना चाहिए। जिला समीक्षा समिति द्वारा विधिवत सक्रिय सदस्यों की सूची 5 नवंबर को जिला कार्यालय में प्रकाशित की जायेगी। मंदसौर जिले के समस्त मंडलो में 7, 8 एवं 9 नवंबर को मंडल में संगठन पर्व की कार्यशालाएं आयोजित की जाना है। इसी प्रकार प्रत्येक मंडल में शक्ति केन्द्र की कार्यशालाएं 12, 13 एंव 14 नवंबर को अपेक्षित श्रेणी के कार्यकर्ताओं को बुलाकर सम्पन्न करवाना है। यदि किसी भी प्रकार की कोई शिकायत या विवाद होता है तो इसकी जानकारी ई-मेल या लिखित पत्र के माध्यम से प्रदेश पुनर्विचार समिति को प्रेषित करना होगी। यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रत्येक मंडल का प्राथमिक सदस्यता रजिस्टर (बूथ-वार) और सक्रिय सदस्यों की सूची (मंडल-वार) 2 चरणों में प्रत्येक मंडल इकाई तक समय पर पहुंच जाए, ताकि बूथ समिति (स्थानीय समिति) का गठन व्यवस्थित तरीके से किया जा सकता है। हम सब भाग्यशाली है कि हम भाजपा के बैनर तले राजनीति के माध्यम से राष्ट्रवाद की विचारधारा को मजबूत करने का कार्य कर रहे है। भाजपा में कार्य करते-करते छोटा सा कार्यकर्ता भी कब उच्च पदों पर पहुँच जाये कहा नहीं जा सकता। इसलिए हम सभी को निरंतर दी गई जिम्मेदारीयों का पालन करते रहना होगा। भारतीय जनता पार्टी का मूल मंत्र है कि सबसे पहले देश, फिर दल और फिर दिल। हम एक ऐसी राजनीतिक दल के सदस्य है जिसने अपने जन्म के समय दिये गये वचन पत्र को पूर्ण करने का सफल प्रयास किया है। अयोध्या में राम मंदिर और कश्मीर में धारा 370 हटाना ऐतिहासिक उदाहरण है। चाय बेचने वाला पार्टी का कार्यकर्ता नरेंद्र जी मोदी भारत माता की जय का नारा लगाते हुए देश का प्रधानमंत्री बन जाता है, किसान के बेटे के रूप में शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री बन कर देश के केन्द्रीय मंत्री बन जाते है, मजदूर परिवार में जन्म लेने वाले डॉ मोहन यादव आज मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेश की जनता के हितों की रक्षा कर रहे है। मंदसौर जिला लंबे समय से प्रदेश भाजपा की मंशा अनुरूप सर्वश्रेष्ठ संगठनात्मक कार्य कर रहा है। प्रदेश की बैठकों के साथ कई अन्य विषयों पर भी मंदसौर जिले के कार्यकर्ताओं के परिश्रम के उदाहरण दिए जाते हैं। मुझे पूरी उम्मीद है कि संगठन पर्व अंतर्गत जिला संगठनात्मक चुनाव ऐतिहासिक रूप से आप सभी के सहयोग से संपन्न होंगे। विधायक हरदीपसिंह डंग ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा की एक मात्र भारतीय जनता पार्टी ही ऐसा राजनैतिक दल है जिसमें प्रत्येक कार्यकर्ता आगे बढकर जिम्मेदारी लेना चाहता है। जबकि कांग्रेस सहित अन्य दलों में बिना जिम्मेदारी लिये झांकी बाजी का प्रचलन रहता है। मैं इस अवसर पर आप सभी देव दुर्लभ कार्यकर्ताओं को प्रणाम एंव आभार व्यक्त करता हूँ। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल कियावत, सुषमा आर्य, मुकेश काला, पिछडा मोर्चा प्रदेश मंत्री धीरज पाटीदार, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ प्रदेश सह संयोजक प्रितेश चावला, नपाध्यक्ष रमा देवी गुर्जर सहित जिला पदाधिकारीगण, मोर्चा जिलाध्यक्ष गण, मंडल अध्यक्ष महामंत्री गण, संगठन पर्व 2024 मंडल चुनाव प्रभारी गण, सक्रिय सदस्यता अभियान मंडल प्रभारी एंव सह प्रभारी गण सहित अपेक्षित श्रेणी केपदाधिकारी एंव कार्यकर्ता गण उपस्थित थे। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी निलेश जैन ने दी।

मनासा:तब से अब तक कविता संग्रह का विमोचन

मनासा, 05 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। नगर की साहित्य संस्था 'सार्थक संकल्प' द्वारा मनासा के कवियों की चुनिंदा कविताओं के सद्य प्रकाश्य कविता संग्रह का विमोचन स्थानीय विजय मंगलम् रिसोर्ट में सात नवंबर 24 को सायं 7-30 बजे से एक आयोजन में किया जाएगा।इस संग्रह में मनासा की तीन पीढियों के रचनाकारो की कविताएँ संकलित है।जिनकी रचनायें इसमें सम्मिलित है उनमें प्रमुख हैं, सर्वश्री बालकवि बैरागी, मंगल मेहता, पेण्टर रतन, पूरण सहगल, वसंत लिमये, सत्यनारायण सारू, सुरेश शर्मा, मदन राठौर, महेश नंदवाना, अनिल बावेल, सुनील पोरवाल, पल्लवी दरक, श्याम चौहान आदि 30 रचनाकारों की कविताएँ हैं।इस सारस्वत आयोजन में ममता खेडे जी कवयित्री एवं एस डी एम(नीमच) बीना चौधरी जी समीक्षक एवं प्राध्यापक जाजू गर्ल्स कॉलेज (नीमच) तथा बादल सरोज संपादक (भोपाल) विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।पुस्तक के संपादक एवं रंगकर्मी विजय बैरागी ने प्रबुद्धजनों से सहभागिता का अनुरोध करते हुए बताया कार्यक्रम में चुनिंदा रचनाकारों के रचना पाठ के साथ सम्मान भी किया जाएगा

वात्सल्यधाम वृद्धाश्रम में चिकित्सा एवं जांच शिविर का आयोजन सम्पन्न

मंदसौर, 05 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/ अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर श्री कपिल मेहता के मार्गदर्शन में 5 नवंबर को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंदसौर द्वारा न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह के अंतर्गत वात्सल्यधाम वृद्ध आश्रम, मंदसौर में जिला चिकित्सालय के सहयोग से चिकित्सा एवं जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य वृद्धजनों के स्वास्थ्य का ध्यान रखना और उन्हें आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना था।

शिविर में वृद्धाआश्रम में निवासरत 18 वृद्धजनों की आंख, दांत, हार्ट आदि की विभिन्न जांच जिला चिकित्सालय की चिकित्सकों की टीम द्वारा की गई। जांच उपरांत वृद्धजनों को नि: शुल्क दवाइयां वितरित की गई। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा शिविर में एक विशेष स्टॉल स्थापित किया गया, जहाँ वृद्धजनों की ई के.वाय.सी. की गई एवं आयुष्मान कार्ड बनाए गए ताकि वे स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ आसानी से प्राप्त कर सकें। इसके अतिरिक्त, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री सिद्धार्थ तिवारी द्वारा वृद्धजनों को चश्मे भी वितरित किए गए, जिससे उनकी दृष्टि संबंधित आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री सिद्धार्थ तिवारी ने वृद्धजनों को आश्वासन दिया कि उनके स्वास्थ्य और विधिक अधिकारों की सुरक्षा हेतु निरंतर प्रयास किए जाते रहेंगे। इस अवसर पर जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री प्रवीण कुमार, पैरालीगल वालेन्टियसर श्रीमती सीमा नागर, श्रीमती रामकुंवर राठौर, सुश्री पूजा अमरादिया, सुश्री ज्योति सोनी, समाजसेवी श्री अनिल संघवानी, अधीक्षिका श्रीमती प्रियंका राजौरा एवं जिला चिकित्सालय की टीम उपस्थित रही।

छात्र-छात्राओं का राज्य स्तरीय बेसबाल एवं एथलेटिक्स प्रतियोगिता में हुआ चयन

मंदसौर, 05 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। श्री साँई पब्लिक स्कूल, दलौदा में अध्यनरत बालिका मिनी वर्ग में महिमा धाकड़ पिता प्रदीप धाकड़ (कक्षा 8-वीं, ग्राम-फतेहगढ), बालक मिनि वर्ग में तक्षराज राठौर पिता जितेंद्र राठौर (कक्षा 7-वीं ,ग्राम-पेटलावद) का राज्यस्तरीय बेसबॉल प्रतियोगिता में चयन हुआ है एवं एथलेटिक्स प्रतियोगिता में बालिका जूनियर वर्ग में वंदना बोरीवाल पिता मनसुख बोरीवाल (कक्षा 8-वी ग्राम दलौदा) का राज्यस्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में चयन हुआ है। खिलाड़ियों के चयन होने पर संस्था संचालक श्री मोहसिन अख्तर, सहायक संस्था संचालक श्री नबील अख्तर एवं खेल प्रशिक्षक दिनेश धाकड, अभिषेक सेठिया, सपना धाकड, जयेश माली, आरती चंद्रावत एवं समस्त विद्यालय परिवार ने चयनित खिलाड़ियों एवं उनके परिवारजन को शुभकामनाएं प्रेषित की एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

भाकिसं कल देगा ज्ञापन

मंदसौर, 05 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। भारतीय किसान संघ मालवा प्रांत जिला मंदसौर के तत्वावधान में दिनांक 7 नवम्बर 2024 को दोप. 1 बजे अफीम राजस्व एवं बिजली की विभिन्न समस्याओं को लेकर केन्द्रीय वित्त मंत्री के नाम कलेक्टर महोदया को ज्ञापन दिया जाएगा। भारतीय किसान संघ ने सभी कृषक भाईयों से ज्ञापन कार्यक्रम में उपस्थित होने की अपील की है। यह जानकारी भारतीय किसान संघ जिला प्रचार प्रसार प्रमुख मुकेश जाट द्वारा दी गयी है।

दो एनसीसी कैडेटस ने राष्ट्रीय एकता शिविर केवड़िया में मप्र राज्य का प्रतिनिधित्व किया

मंदसौर, 05 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर के दो होनहार कैडेटस सार्जेंट अरुण भाटी एवं सार्जेंट राधिका पाटीदार ने डीजीएनसीसी दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय एस.एन.आई.सी. कैम्प केवडिया गुजरात में इंदौर ग्रुप की ओर से मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। इस कैंप में देश के विभिन्न राज्यों की अलग-अलग विशेषताओं एवं संस्कृतियों का एक स्थान पर समन्वय हुआ जिससे सभी कार्ड को अलग-अलग राज्यों की विशेषताएं एवं भाषाओं के बारे में जानने का अवसर प्राप्त हुआ।

इस राष्ट्रीय एकता शिविर में डीजीएनसीसी दिल्ली के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल गुरबीरपाल सिंह वहां स्वयं उपस्थित रहें और उन्होंने बच्चों से बातचीत कर उनको अपने अनुभव बांटें। कैडेटस ने वहां पर स्टैचू ऑफ यूनिटी का भी भ्रमण किया एवं देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के समक्ष विभिन्न प्रान्तों के सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किये। महाविद्यालय के कैडेटस की इस उपलब्धि पर महाविद्यालयीन जन भागीदारी समिति अध्यक्ष श्री नरेश चंदवानी, प्राचार्य डॉ. डी.सी. गुप्ता एवं महाविद्यालय के एन.सी.सी. अधिकारी लेफ्टिनेंट योगेश कुमार पटेल द्वारा कैम्प से लौटने पर कैडेटस को सम्मानित किया गया।

सनातन धर्म के महाकुंभ प्रयाग में नेत्र महाकुंभ का दिव्य और भव्य आयोजन होगा-पाण्डेय

मंदसौर, 05 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। सनातन धर्म के महापर्व प्रयाग महाकुंभ 2025 पवित्र नगरी तीर्थ राज प्रयाग उत्तर प्रदेश में 51 दिवसीय दिव्य उत्सव चिकित्सा महायज्ञ का बहुत ही भव्य आयोजन हो रहा है। महाकुंभ में पधारे पुज्य संतों व श्रद्धालुओं के नेत्रों का परिक्षण (जांच) कर दवा शल्य चिकित्सा चश्मा वितरण आदि का बहुत ही बडा आयोजन होगा जिसमें पांच लाख लोगों की आंखों की जांच व तीन लाख लोगों को आंखों के चश्मो का वितरण किया जायेगा एवं मोतियाबिंद सर्जरी जैसी सुविधाएं भी दी जाएंगी। उक्त जानकारी देते हुए सक्षम मालवा प्रांत सचिव रविन्द्र पाण्डेय ने बताया कि नेत्र कुंभ की खास बातें यह रहेंगी कि यह नेत्र कुंभ, कुंभ मेला परिसर के अंदर ही स्थापित किया जाएगा।

जातीय भेद को मिटाया गुरुनानक ने...

मंदसौर, 05 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। गुरु नानकदेव जी महान राष्ट्रवादी गुरु और समाज सुधारक थे। महापुरुष किसी समाज विशेष के नही बल्कि संपूर्ण विश्व का कल्याण व मार्गदर्शन करने वाले होते है। कार्तिक पूर्णिमा को गुरुनानक देव का जन्मदिवस होने के कारण सिख धर्म को मानने वाले इस दिन को प्रकाश उत्सव या गुरु पर्व के रूप में मनाते है। गुरु नानकदेव जी के जीवन से हमे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। उन्होने सारा जीवन जातीय भेदभाव को समाप्त करने का निरंतर प्रयास किया। वे दूसरो के दोष न देखकर अपना दोष देखने के लिए कहते थे मानव सेवा ही उनका आदर्श मंत्र था। गुरु नानकदेव का जीवन ही धर्म व देश के लिए था। सिख समाज का भारत के इतिहास, विकास एवं धर्म संस्कृति उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसके पीछे सिख समाज को अपने समाज राष्ट्र के उत्थान के लिए दी गई गुरु नानक देव की वह शिक्षा दीक्षा सम्मिलित है जिन्होने सिख समाज को सदैव मजबूत, साहसी और कुछ कर गुजरने वाले समाज के रूप में तैयार किया। भारतीय सेना में सिख समाज की उपस्थिति दर्शाती है की इस समाज के लिए देश ही प्रथम है। सेना में सिखो की बकायदा सिख रेजिमेंट है। ऐसे में विचार किया जा सकता है कि देश की सीमाओ की सुरक्षा और देश ने आंतरिक सुरक्षा के मान से सिख समाज आज भी लोहा लेने को तत्पर रहता है। अगर कुछ आबादी के मान से उनके राष्ट्रीय योगदान को देखा जाए तो वह पचीस फीसदी से ऊपर जाता है। गुरु नानकदेव का प्रेरक वाक्य था कि भगवान पर वही विश्वास करता है जिसे स्वयं पर विश्वास होता है। यानी अपने अनुयायियों, भक्तों, श्रद्धालुओ को उन्होने स्वयं पर विश्वास करने वाला दृढ संकल्पित वह विचार व व्यक्तित्व प्रदान किया जो उनकी प्रत्येक क्षेत्र में सफलता का कारक बन गया। गुरु नानक देव का पूरा जीवन दार्शनिक, योगी, देशभक्त और विश्वबंधु के गुणो से ओतप्रोत रहा है। उन्होने संपूर्ण समाज को धर्म और राष्ट्र की सुरक्षा एवं संरक्षण का निरंतर पाठ पढाया और उसे जीवन में आत्मसात करने का आग्रह भी किया। गुरु नानकदेव सामाजिक कुरीतियो के विरोध में भी जागृति का कार्य करते रहे। उन्होने तत्कालीन राजनीति, सामाजिक और धार्मिक स्थितियो पर भी अपने प्रेरक विचारो से जनमानस को सहमत किया। उनके सारगर्भित प्रेरक उपदेशो और वचनो से हिंदू मुस्लिम भी प्रभावित हुए और उन्हे सिख समाज के साथ ही अन्य धर्मों नें भी संत के रूप में स्वीकार किया। सिख समाज ने गुरुनानकदेव के प्रेरणा मंत्र को अंगीकार कर जातिभेद, वर्गभेद और तमाम तरह की कुरीतियो को मिटाने का संकल्प आगे बढाया साथ संगत साथ पंगत आज गुरुद्वारो में एक अमिट पहचान के रूप में जाना जाता है। किसी भी जगह चले जाए कोई जाती वर्ग का भेद नही, कोई भी वि वीआईपी नही। क्या यह सभी के लिए प्रेरणादायी नही है? संपूर्ण भारतीय समाज को इससे प्रेरणा लेकर अपने वंचित और अभावग्रस्त लोगो को अपनी आर्थिक और योग्यता के मान से सहयोग का भाव रखना चाहिए यही सबसे बडा धर्म है।

पत्र संपादक के नाम
संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

गौरव सोनी, मंदसौर

सार्वजनिक जल स्त्रोंतो, जलाशयों से विद्युत पम्प से अवैध सिंचाई करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही करें-चंद्रा

नीमच, 05 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। जिले के जाजू सागर जलाशय एवं अन्यय पेयजल स्त्रोंतो, जलाशयों से अवैध रूप से विद्युत पम्प एवं पाईप लाईन डालकर सिंचाई के लिए पानी लेने वालों के विरूद्ध तत्काल कार्यवाही की जाए। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जनसुनवाई करते हुए सीएमओ नीमच एवं जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को दिए।

कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जनसुनवाई करते हुए 61 आवेदको से चर्चा कर, उनकी संमस्याए सुनी और उनका निराकरण करने के निर्देश संम्बधित अधिकारियों को दिए। इस मौके पर ए.डी.एम श्रीमती लक्ष्मी गामड, जिला पंचायत सीईओ श्री अरविंद डामोर, एसडीएम डॉ.ममता खेडे, सभी डिप्टी कलेक्टर एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे। जनसुनवाई में डिकेन के राजेश कुमार, जवाहर नगर नीमच के राजु सागर, सरजना के कंवरलाल, गिरदौडा के खडगसिह, डीकेन के विनोद राठौर, सोनियाना के कारूलाल, नीमच की तसनीम, थडौद के कैलाश धाकड, कोटडी इस्तमुरार के मांगीलाल, बरखेडा हाडा के ओमप्रकाश, हतुनिया के लखन, पिपलोन के गंगाराम ने भी अपनी समस्यागओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। जनसुनवाई में मनासा के बगदीराम, जीरन के सुंदरलाल, अठाना के अशफाक, नीमच सीटी की ललिताबाई व मुकेश, मनासा की फुलवंती, मनासा के गोवर्धन, नीमच सीटी के मोहनलाल, मनासा के बाबुलाल, नीमच के हिरालाल, जीरन की पूजा व गायत्रीबाई, नीमच की यास्मीधन, सिंगोली के बालकृष्ण, हरिओम, राकेश, पंकज आदि ने भी अपने आवेदन प्रस्तुत कर अपनी समस्याएं सुनाई। ज्ञातव्य, हो, कि जिले में तहसील एवं ग्राम पंचायत स्तर पर जनसुनवाई प्रारंभ हो जाने के फलस्वरूप जिला मुख्यालय आयोजित जनसुनवाई में आवेदकों की संख्या में कमी आई है।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	1000	2124	2450
उडद	80	5901	7401
सोयाबीन	5000	3500	4601
गैहु	3000	2680	3340
चना	132	6011	6671
मसुर	53	5600	6341
धनिया	125	3501	6800
लहसुन	12000	12000	26550
मैथी	345	4200	5901
मुंगफली	4500	3851	5400
अलसी	800	5920	6250
सरसो	115	5250	6150
तारामीरा	1	4650	4650
इसबगोल	82	10000	13000
प्याज	5000	2500	4444
कलोंजी	6	15701	18399
तुलसी बीज	5	14501	20781
डॉलर	24	8201	11900
तिल्ली	13	10800	12551
जौ	1	2550	2550
मटरसुखी	6	4500	5380
असालीया	13	10980	11351
मूंग	1	5001	5001

वोट की राजनीति और गरीबी उन्मूलन वादे, सच्चाई और दूरगामी परिणाम

मंदसौर, 05 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। भारत में राजनीतिक दलों का गरीबों के प्रति सेवा भाव वास्तव में कैसा है, इस पर लंबे समय से बहस होती रही है। हर चुनाव में बड़े-बड़े वादों के साथ गरीबों के लिए मुफ्त की योजनाओं और सुविधाएं देने का एलान किया जाता है, जिसमें मुफ्त बिजली, राशन, आवास, स्वास्थ्य सेवाएं आदि शामिल हैं। मध्य प्रदेश की लाडली बहना योजना जैसी योजनाएं केवल एक राज्य में ही सीमित नहीं हैं; ऐसी योजनाओं का मॉडल अब अन्य राज्यों में भी चुनावों में दोहराया जा रहा है। यह एक गंभीर प्रश्न उठाता है कि क्या इन योजनाओं का उद्देश्य वास्तविक रूप से गरीबी उन्मूलन है, या सिर्फ राजनीतिक लाभ कमाने का एक साधन है।

चुनावी वादे और उनका असल उद्देश्य–भारत में, गरीबी हटाने के नाम पर विभिन्न प्रकार के चुनावी वादे किए जाते हैं। देश के प्रमुख राजनीतिक दलों का यह पैटर्न बन गया है कि चुनाव के पहले गरीबों को लुभाने के लिए मुफ्त की 'रेवड़ियों' का वादा करते हैं। उदाहरण के लिए, मध्य प्रदेश की लाडली बहना योजना में महिलाओं को मासिक वित्तीय सहायता देने का वादा किया गया। ऐसे वादे वोट पाने का जरिया बन गए हैं, जिससे गरीबों का मनोबल तो बढ़ता है, लेकिन ये दीर्घकालिक गरीबी उन्मूलन के बजाय अल्पकालिक फायदे तक सीमित रह जाते हैं। एक अध्ययन के अनुसार, लगभग 20% वोट इस प्रकार की योजनाओं से प्रभावित होते हैं। इसके बावजूद, दीर्घकालिक रूप से इससे गरीबों को कोई खास फायदा नहीं पहुंचता।

नेमीचंद राठौर

मुफ्त की योजनाओं का आर्थिक असर–सरकारें मुफ्त की सुविधाएं देने के लिए अक्सर कर्ज लेती हैं, जिससे राज्य पर आर्थिक बोझ बढ़ता है। उदाहरण के लिए, 2022 में भारत पर कुल सरकारी कर्ज ऋऋझ का लगभग 90% था। इन मुफ्त योजनाओं की वजह से करदाताओं पर बोझ बढ़ता है और सरकार टैक्स बढ़ाने या पेट्रोल-डीजल जैसे आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ाने का सहारा लेती है। इसका सीधा असर आम जनता की जेब पर पड़ता है, विशेष रूप से गरीब और मध्यम वर्ग पर। इस प्रकार, राजनीतिक दल गरीबों की सेवा के नाम पर उनकी वित्तीय स्थिति को सुधारने के बजाय और कमजोर कर देते हैं।

स्वास्थ्य और शिक्षा की अनदेखी–एक ओर जहां मुफ्त की योजनाओं के वादे किए जाते हैं, वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं पर सरकारों का ध्यान कम है। वर्तमान में, भारत का स्वास्थ्य बजट 2023-24 में जीडीपी का मात्र 1.6% रहा है, जो कि विकासशील देशों के मुकाबले बहुत कम है। यह बजट गरीबों के लिए पर्याप्त स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए पर्याप्त नहीं है। खराब स्वास्थ्य सेवाओं के कारण गरीब परिवारों को न केवल आर्थिक बोझ उठाना पड़ता है, बल्कि यह उनकी जीवन प्रत्याशा को भी प्रभावित करता है।

शिक्षा के मामले में भी स्थिति चिंताजनक है। सरकार का शिक्षा बजट 2023-24 में लगभग 3% रहा, जो पर्याप्त नहीं है। गरीब बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अभी भी दूर की कौड़ी है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अब भी लगभग 25% बच्चे 10वीं कक्षा तक पहुंचने से पहले ही पढ़ाई छोड़ देते हैं। शिक्षा में सुधार के बिना, गरीबी का दुष्चक्र समाप्त करना कठिन है, क्योंकि शिक्षा ही व्यक्ति को आर्थिक रूप से सशक्त बना सकती है। लेकिन मुफ्त की सुविधाएं देने के बजाय शिक्षा में निवेश न करके सरकारें गरीबों की स्थिति में सुधार नहीं कर पा रही हैं।

मुफ्त की योजनाओं के दीर्घकालिक परिणाम–राजनीतिक दलों के मुफ्त की योजनाओं से तत्काल लाभ तो होता है, लेकिन यह गरीबों को आत्मनिर्भर नहीं बना पाता। दीर्घकालिक परिणाम यह है कि गरीब समाज सरकार पर निर्भर बनता जा रहा है और आत्मनिर्भरता से कोसों दूर हो रहा है। एक अध्ययन के अनुसार, 2022 में भारत की लगभग 6% आबादी बेहद गरीब थी, जो कि पिछले सालों में हुए तमाम प्रयासों के बावजूद ज्यादा नहीं बदली। इसका प्रमुख कारण यह है कि सरकारी योजनाओं का उद्देश्य दीर्घकालिक गरीबी उन्मूलन के बजाय तत्काल वोट प्राप्त करना है। इसके अलावा, मुफ्त की योजनाओं की वजह से युवाओं का मानसिकता भी इस ओर बदल रहा है कि उन्हें मेहनत से अधिक सरकारी योजनाओं का सहारा लेना चाहिए। इससे देश के उत्पादकता दर पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसके साथ ही, ये योजनाएं देश की आर्थिक विकास दर को प्रभावित करती हैं, क्योंकि सरकार का धन गलत जगह खर्च हो रहा है।

गरीबी उन्मूलन के सही उपाय, शिक्षा और स्वास्थ्य में निवेश–गरीबी उन्मूलन के लिए केवल मुफ्त की योजनाओं पर निर्भर रहने से समस्या हल नहीं होगी। इसके लिए सरकारों को शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में व्यापक निवेश करना होगा। शिक्षा और स्वास्थ्य ऐसी मूलभूत आवश्यकताएं हैं, जो किसी भी समाज की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को सुधारने में सहायक होती हैं। यदि सरकारें शिक्षा को मुफ्त और अनिवार्य बनाती हैं और स्वास्थ्य सेवाओं को सस्ती और सुलभ बनाती हैं, तो यह गरीबों के जीवन में एक स्थायी सुधार ला सकता है। भारत को चाहिए कि वह अपने स्वास्थ्य बजट को बढ़ाकर विकसित देशों की तर्ज पर कम से कम 5% तक ले जाए और शिक्षा बजट को 6% से अधिक करे। इसके साथ ही, प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा के स्तर पर स्कूलों को अधिक संसाधन देकर बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान की जा सकती है। वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में मुफ्त की योजनाओं का लालच देकर वोट पाना राजनीतिक दलों के लिए एक आसान रास्ता बन गया है, लेकिन यह गरीबों की दीर्घकालिक भलाई के लिए हानिकारक है। शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में उचित निवेश ही गरीबों को सशक्त और आत्मनिर्भर बना सकता है। मुफ्त की रेवड़ियां गरीबी को खत्म करने का सही तरीका नहीं हैं, बल्कि गरीबी उन्मूलन के नाम पर एक छलावा हैं।

पीएम किसान समृद्धि केन्द्र वन स्टॉप सेंटर के रूप में कार्य करेंगे-मुख्यमंत्री

एक ही स्थान पर मिलेगी खाद, बीज, मिट्टी और कृषि उपकरणों की जानकारी

मंदसौर, 05 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पीएम किसान समृद्धि केन्द्र वन स्टॉप सेंटर के रूप में कार्य करेंगे। इनमें खाद, बीज, कृषि उपकरण और मिट्टी परीक्षण के अतिरिक्त खेती-किसानी से संबंधित अन्य जानकारियाँ भी उपलब्ध कराई जायेंगी। उल्लेखनीय है कि 3 सितम्बर को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सहकारिता विभाग और नर्मदा नियंत्रण मण्डल के कार्यों की समीक्षा बैठक में प्रत्येक ग्राम पंचायत में पीएम किसान समृद्धि केन्द्र स्थापित किये जाने के निर्देश दिये थे।

पीएम किसान समृद्धि केन्द्रों का उद्देश्य है कि एक ही स्थान पर किसानों को मिट्टी, बीज, उर्वरक इत्यादि की जानकारी उपलब्ध कराई जाये। इसके साथ ही इन केन्द्रों को कस्टम हॉयरिंग सेंटर्स से जोड़कर किसानों को कृषि संबंधी छोटे और बड़े उपकरण भी उपलब्ध कराये जायें। किसानों को कृषि की बेहतर पद्धतियों और विभिन्न शासकीय योजनाओं के बारे में जानकारियाँ प्रदान की जायें।

किसानों को मिलेंगे ये लाभ–ग्राम पंचायतों में पीएम किसान समृद्धि केन्द्र स्थापित हो जाने से किसानों को अन्य स्थानों पर नहीं जाना पड़ेगा। उन्हें केन्द्र में ही खेती-किसानी के लिये आवश्यक सभी संसाधन उपलब्ध होंगे। संसाधन उपलब्ध न होने पर किसान समृद्धि केन्द्र समन्वयक की भूमिका निभाकर उन्हें संसाधन उपलब्ध करायेगा। इससे किसानों का खाद, बीज, उर्वरक और कृषि उपकरणों की खरीदी के लिये आने-जाने का समय भी बचेगा और अन्य व्यय भी नहीं होंगे। उन्हें किसान समृद्धि केन्द्र पर ही गुणवत्तापूर्ण सामग्री उपलब्ध होगी, जिससे वे बेहतर उपज भी प्राप्त कर सकेंगे।

किसान समृद्धि केन्द्र पर रहेगी हेल्प-डेस्क–पीएम किसान समृद्धि केन्द्र पर हेल्प-डेस्क भी रहेगी। यहाँ से मृदा विश्लेषण और मृदा परीक्षण के आधार पर पोषक तत्वों के उपयोग की जानकारी मिलेगी। मौसम पूर्वानुमान की जानकारी मिलेगी। केन्द्र से फसल बीमा, ड्रोन, कृषि वस्तुओं की जानकारी के साथ अधिक लाभार्जन के लिये फसलों के पेटर्न के पैकेज संबंधी जानकारी भी मिलेगी।

प्रगतिशील किसानों का रहेगा व्हाटसएप ग्रुप–पीएम किसान समृद्धि केन्द्र के संचालक कृषि विभाग और कृषि संबंधी कार्यक्रम और गतिविधियों से जुड़े रहेंगे। पीएम किसान समृद्धि केन्द्र से जुड़े प्रगतिशील किसानों के किसान समृद्धि समूह नामक व्हाट्स-अप ग्रुप का निर्माण भी किया जायेगा।

महिलाओं के हित में मोहन सरकार का बड़ा फैसला...

सिविल सेवाओं में 33 के बजाय 35 प्रतिशत पद आरक्षित होंगे

भोपाल, 05 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश की मोहन सरकार ने महिलाओं के हित में बड़ा कदम उठाया है। सिविल सेवाओं में महिलाओं के लिए अब 33 के बजाय 35 प्रतिशत पद आरक्षित होंगे। मंगलवार को मंत्रालय में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव पर सर्वसम्मति से मुहर लगाई गई। इसके साथ-साथ मेडिकल कॉलेज में सहायक प्राध्यापक की भर्ती के लिए आयु सीमा को दस साल बढ़ाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। अब 40 के बजाय 50 साल तक उम्र के अभ्यर्थी मेडिकल कॉलेजों में सहायक प्राध्यापक पद के लिए आवेदन कर सकेंगे।

इन प्रस्तावों पर लगी मुहर–प्रदेश में खाद आपूर्ति व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए 254 नकद विक्रय केंद्र खोलने की दी गई स्वीकृति। सारणी के सतपुड़ा ताप विद्युत गृह की 4 पुरानी इकाइयों के स्थान पर 660मेगावॉट का नया पावर प्लांट लगाने की अनुमति दी गई। 7 दिसंबर को होगी नर्मदापुरम में इन्वेस्टर्स समिट।

बस ने मारी कार को टक्कर, दो घायल

पिपलियामंडी, 05 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। बस की टक्कर से कार में सवार दो व्यक्ति घायल हो गए। लखु पिपलिया निवासी पप्पू पिता कैलाश सुखलिया ने नाहरगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मैं अपने मित्र एलवी निवासी चमन पिता शबीर मिरासी के साथ इको कार से कोलवी आ रहे थे। इस दौरान जग्गाखेड़ी व पेट्रोल पंप के बीच खाटू श्याम बस के ड्राइवर ने तेज व लापरवाहीपूर्वक चलाकर कार को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे हमें चोंटे आई व कार क्षतिग्रस्त हो गई।

127 सिंचाई परियोजनाओं से 1 लाख 57 हजार हैक्टेयर में होगी सिंचाई

सूक्ष्म सिंचाई परियोजनाओं से प्रत्येक खेत तक पानी पहुंचे, बैठक संपन्न

मंदसौर, 05 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। जल उपयोगिता समिति की बैठक कलेक्टर सभागार में आयोजित की गई। जिले की 127 सिंचाई परियोजनाओं से 1 लाख 57 हजार 668हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होगी। बैठक के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार, मंदसौर विधायक श्री विपिन जैन, सुवासरा विधायक श्री हरदीप सिंह डंग, गरोठ विधायक श्री चंदर सिंह सिसोदिया, कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन, जल संसाधन विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, सीएमओ मौजूद थे।

बैठक में निर्देश दिए कि, सूक्ष्म सिंचाई परियोजनाओं से प्रत्येक खेत तक पानी पहुंचे। साथ ही कमियों को तुरंत दूर करें। कमियों को दूर करने के लिए व्यवस्थित प्लान बनाया जाए। बेहतर कार्य नहीं करने वाले ठेकेदारों पर पेनल्टी लगाए। गुणवत्ता से किसी प्रकार समझौता न करें। गौशालाओं को भी पानी मिले इसका भी ध्यान रखें। ऐसे तालाब जिनका पानी से कटाव हो रहा है, उनको चिन्हित कर मरम्मत करवाए। विभाग द्वारा की जा रही कार्यवाही एवं गतिविधियों से जनप्रतिनिधियों को अवगत कराए। सभी नगर परिषद समय-समय पर वसूली कार्यवाही पूर्ण करें। शामगढ़-सुवासरा सूक्ष्म सिंचाई परियोजना से आगामी रबी सिंचाई में 85117 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई हेतु पानी उपलब्ध कराया जाना प्रस्तावित किया गया। गरोठ सूक्ष्म सिंचाई परियोजना से 21 हजार 400 है. क्षेत्र में पिछले 04 वर्षों सें सफलता पूर्व सिंचाई की जा रही हैं। भानपुरा नहर परियोजना से 13 हजार 354 है. क्षेत्र में पिछले 06 वर्षों सें सफलता पूर्व सिंचाई की जा रही है। शामगढ़-सुवासरा सूक्ष्म सिंचाई परियोजना से आगामी रबी सिंचाई मे 15000 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा हेतु पम्प हाउस का परीक्षण 15 नवंबर तक किया जाएगा। परीक्षण के बाद 15 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। जल संसाधन विभाग, मंदसौर द्वारा गत वर्ष 148192 है. क्षेत्र में सिंचाई का लक्ष्य रखा गया था, जिसके विरुद्ध 148192 की सिंचाई की गई। विभाग द्वारा निर्मित सिंचाई हेतु नहर से पानी की क्षति को रोकने के लिये नहर लाईनिंग, नए स्ट्रक्चर, मिट्टी का सुधार कार्य, मरम्मत, आदि कार्य लगातार किए जा रहे हैं। मंदसौर संभाग अंतर्गत लामगरा, खोड़ाना, ढिकोला, भरड़ावद निमज्जित तालाब के गेट सिंचाई के लिए नवंबर माह में खोले जाएंगे।

अन्नकूट प्रसादी उत्सव आज

मंदसौर, 05 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। धनगर पुर्बिया समाज के श्री चारभुजा मंदिर पर अन्नकूट प्रसादी उत्सव का आयोजन आज दिनांक 6 नवम्बर 2024, बुधवार को प्रात: 11 बजे से किया जावेगा। महाआरती के पश्चात् अन्नकूट प्रसादी का भोग लगाकर प्रसादी वितरण होगा। ट्रस्ट अध्यक्ष श्री बंकट हप्पा ने समाजजन से कार्यक्रम में उपस्थित होकर कार्यक्रम को भव्य बनाने की अपील की है। उक्त जानकारी ट्रस्ट संयोजक विशाल चौहान ने दी।

श्री प्रेम प्रकाश पंथ के पंचम पिठाधिश्वर स्वामी भगतप्रकाशजी महाराज संत मण्डल के साथ आएंगे

मंदसौर, 05 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। सिन्धी हिन्दू समाज श्री प्रेम प्रकाश पंथ के पंचम पिठाध्वेश्वर गादिपति सतगुरू स्वामी भगतप्रकाश जी महाराज संत मण्डल के साथ भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव की पावन धरा मंदसौर में श्री प्रेमप्रकाश आश्रम में पन्द्रह वे वार्षिक महोत्सव में दिनांक 17 नवंबर रविवार व 18 नवम्बर सोमवार को पधारेंगे।

इस आशय की जानकारी श्री प्रेम प्रकाश सेवा मण्डली के अध्यक्ष पुरूषोत्तम शिवानी ने देते हुए बताया कि दो वर्ष के अन्तराल के बाद महामंडलेश्वर सतगुरु स्वामी भगतप्रकाश जी महाराज व संत मण्डल पधार रहे हैं। पूज्य श्री गुरु महाराज व संत मण्डल का अमृत वचन दिव्य ज्ञान गंगा सत्संग व भण्डारा प्रसादी सुबह व शाम होंगे। इस पंच दिवसीय समागम को सफल बनाने हेतु महिला एवं पुरुष सेवाधारी संगत की एक बैठक सन्त श्री शंभूलालजी प्रेमप्रकाशी की अध्यक्षता में श्री प्रेम प्रकाश आश्रम में सम्पन्न हुई। जिसमें सेवाधारियों की सेवाओं को सेवा समितियों में बांटकर समारोह को सफल एवं यादगार बनाने का संकल्प लिया गया। शिवानी ने बताया कि सतगुरू स्वामी भगतप्रकाशजी महाराज व सन्त मण्डल का दिनांक 17 नवम्बर रविवार को भवानीमण्डी से सड़क मार्ग से होकर प्रात: 9.30 मंदसौर से मंगल प्रवेश होगा।

सबसे पहले यज्ञ हवन में पूर्णाहुति सम्पन्न कर सनातन धर्म के प्रवर्तक आचार्य सतगुरू स्वामी टेऊँरामजी महाराज की प्रेमप्रकाश ध्वजा की पूजा अर्चना कर सनातन धर्म कि ध्वजा फहरायेंगे। तत्पश्चात सन्त मण्डल के सन्त सत्संग-प्रवचनों की अमृतमयी वर्खा करेंगे। शिवानी ने बताया कि दिनांक 17 व 18 नवम्बर को सुबह 10 से दोप. 12.30 एवं शाम 6 से 8 बजे तक सदगुरू स्वामी टेऊँरामजी महाराज, सद्गुरू सर्वानन्द महाराज, सदगुरू शांतिप्रकाश महाराज एवं सदगुरू हरिदासराम महाराज की पवित्र जीवन गाथाओं एवं श्री अमरापुर वाणी सद्गुरू वचनामृत मनमोहक वाणी का रसपास करेंगे। श्रद्धालु संगत स परिवार व इष्टमित्रों सहित श्रवण कर अपना मानव जीवन कृतार्थ एवं सतगुरू महाराज व संत मण्डल के दर्शन लाभ प्राप्त करे। बैठक में सन्त श्री शंभूलालजी प्रेम प्रकाशी ने गुरू दरबार की सेवा से सेवाधारी को फल प्राप्ति की महिमा को प्रतिपादित कर उपस्थित संगत को मंत्रमुग्ध कर दिया। अंत में आभार प्रदर्शन महिला मण्डली प्रमुख श्रीमती पुष्पा पमनानी ने प्रकट किया।

बड़े अस्पताल मंदसौर में हो सरकारी शव वाहन की व्यवस्था-विधायक जैन

मंदसौर, 05 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। विधायक विपिन जैन ने जिला कलेक्टर मंदसौर अदिति गर्ग से मुलाकात कर मंदसौर विधानसभा क्षेत्र के ज्वलंत मुद्दों के संबंध में चर्चा कर अवगत कराया जैन ने जिला चिकित्सालय में शासकीय शव वाहन की व्यवस्था की मांग की ज्ञात हो की मंदसौर जिला चिकित्सालय मे इलाज हेतु जिले भर के मरीज को रेफर किया जाता है परंतु जिला चिकित्सालय में मृत्यु हो जाने पर शासकीय शव वाहन नहीं होने से मध्यमवर्गीय परिवारों को काफी आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है और निजी शव वाहनों द्वारा अधिक मात्रा में पैसा वसूला जाता है जिला चिकित्सालय में शासकीय शव वाहन अति आवश्यक है।

कालाखेत को किया जाए अतिक्रमण से मुक्त–मंदसौर स्थित कालाखेत शॉपिंग कंपलेक्स पर साठिया समुदाय द्वारा किए गए अतिक्रमण को मुक्त करने के संबंध में भी जैन द्वारा विस्तृत चर्चा की गई है कालाखेत क्षेत्र व्यावसायिक क्षेत्र है और वर्षों सें साठीया समुदाय के लोगों द्वारा वहां पर कब्जा कर रखा है उन्हें शासन द्वारा सरकारी पट्टे प्रदान कर, प्रधानमंत्री आवास प्रदान कर यहां से अन्यत्र स्थापित कर शॉपिंग कांपलेक्स को अतिक्रमण से मुक्त करने की मांग की है। इस पर जिला कलेक्टर द्वारा कहा गया कि गंभीर विषय है इस पर शीघ्र ही गंभीरता से विचार कर कार्यवाही की जाएगी।

भगवान पशुपतिनाथ महादेव की प्रतिमा पर बढ़ रही दरार और क्षरण को लेकर विस्तृत चर्चा की–श्री जैन ने कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग को अवगत कराया की भगवान पशुपतिनाथ की अष्टमुखी प्रतिमा पर दरार बढ़ रही है और उसका क्षरण हो रहा है यह चिंता का विषय है पूर्व में भी मंदिर प्रबंधन समिति द्वारा प्रतिमा पर पड़ रही दरार और क्षरण को रोकने हेतु केमिकल लेप लगाकर सुरक्षित किया गया था परंतु पुन: प्रतिमा पर दरार बढ़ना चिंता का विषय है इस हेतु विशेषज्ञों व मूर्तिकला के जानकारो और पुरातत्वविद की संयुक्त टीम गठित कर प्रतिमा पर पड़ रही दरार को रोकने हेतु अतिशीघ्र कार्रवाई करने के संबंध में मांग की है। जिला कलेक्टर द्वारा आश्वस्त किया गया है कि शीघ्र ही संबंध में कार्य किया जाएगा

मंदिर परिसर में हो कंपोस्ट पिट यूनिट की स्थापना–वही जैन द्वारा मंदिर परिसर में कंपोस्ट पिट यूनिट की स्थापना की भी मांग की गई है जैन द्वारा कहा गया है कि मंदिर में भगवान पशुपतिनाथ की प्रतिमा पर प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रद्धा स्वरूप श्रद्धालुओं द्वारा पुष्पमाला, बिलपत्र और पत्तियां चढ़ाई जाती हैं जिन्हे बाद में कचरा गाड़ी में भर कर अंयन्त्र फेंक दिया जाता है जो सही नहीं है इससे श्रद्धालुओं की भावनाएं भी आहत होती है जैन द्वारा मंदिर परिसर में ही एक छोटी कंपोस्ट पिट यूनिट की स्थापना की मांग की गई है जहां पर पुष्प मालाओं और पत्तियों को संग्रहित कर खाद में परिवर्तित किया जा सकता है और उसका उपयोग मंदिर परिसर में ही स्थित बगीचों में किया जा सकता है इस पर भी जिला कलेक्टर द्वारा सहमति व्यक्ति की गई है।

खाद का तनाव... पेज 1 से जारी

गए, लेकिन खाद के लिए फिर लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा। किसान प्रेम शंकर ने बताया कि गेहूँ, चना मेथी सहित अन्य फसलों को यूरिया खाद की अधिक जरूरत है। यहां घंटों कतार में लगने के बाद दो बीघा पर 1 बैग यूरिया मिल रहा है।

✲✲✲ नाम परिवर्तन ✲✲✲

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं जमीला पति मुस्तफा लोर्ड ने अपना नाम परिवर्तन कर जमीला लोर्ड पति मुस्तफा लोर्ड कर लिया है। भविष्य में मुझे अपने नए नाम जमीला लोर्ड पति मुस्तफा लोर्ड के नाम से जाना एवं पहचाना जाए।

पता-वार्ड नं.-18, हाफिज कालोनी, बोहरा बाखल, मंदसौर (म.प्र.) 458001

कलेक्टर द्वारा जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान 57 ग्रामीणजनों की समस्याएं सुनी

मंदसौर, 05 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग द्वारा सुशासन भवन सभाकक्ष में 57 ग्रामीणजनों की समस्याएं सुनी। अधिकारियों को जल्दी निराकरण करने के निर्देश दिए।जनसुनवाई के दौरान निवासी दौरवाड़ा के राजूलाल द्वारा कृषिभूमि में विघुत डीपी व विघुत कनेक्शन के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर कलेक्टर द्वारा एमपीईबी को निर्देश दिये की आवेदक को डीपी व कनेक्शन जल्द प्रदाय करें। नवकार सिल्वर टाउनशीप कॉलोनी के निवासियों द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया कि कॉलोनी में नाले का पानी इक्कठ्ठा होने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर कलेक्टर द्वारा सीएमओ नगरपालिका को निर्देश दिये की नाले की सफाई करें। गरोठ के तेजमल द्वारा प्रोविजनल पेंशन एवं ग्रेज्यूटी के भुगतान के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर कलेक्टर द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिये की प्रोविजनल पेंशन एवं ग्रेज्यूटी का भुगतान जल्द करें। ग्राम सेमली के तुलसीराम द्वारा जमीन पर कब्जा हटाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किये। जिस पर कलेक्टर द्वारा मंदसौर तहसीलदार को निर्देश दिये कि प्रार्थी की जमीन से कब्जा हटाकर भूमि प्रदान करें। जनसुनवाई में बीपीएल सूची में नाम जुड़वाने, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत आवास मंजूर करने, निजी भूमि पर अवैध अतिक्रमण, भूमि विवाद, बीमारी सहायता, आपसी विवाद, शिक्षा ऋण दिलाने, सामुदायिक सुविधा घर (कम्युनिटी टायलेट) बनवाने आदि विषयों के आवेदन प्राप्त हुये।इस दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल एवं जिला अधिकारी मौजूद थे।

✲ उठावना ✲

पगड़ी एवं शोक निवारण

स्व.श्री वरदीचंद जी तलेसरा के पुत्र और स्व. श्री सूरजमल जी तलेसरा के छोटे भाई एवं श्री पारस जी, दिलीप जी, अशोक जी, विनोद जी, सुनील जी के बड़े भाई एवं श्री राजकुमार जी, जितेन्द्र जी के काकासा ओर वरुण, रोहन, अश्विन, यश,मोहिल के बड़े पापा ओर श्री राहुल, प्रियंका,रीना, के पूज्य पिताश्री श्री रखबचंद जी तलेसरा (किर्लोस्कर वालों) का दुखद निधन दिनांक 04 नवम्बर 2024 सोमवार को हो गया था। जिनका संयुक्त उठावना (तलेसरा एवं पीतलिया परिवार) आज दिनांक 06 नवम्बर 2024 बुधवार को सुबह 10.30 बजे राजेन्द्र रिसोर्ट मन्दसौर पर रखा गया है। पगडी एवं शोकनिवारण सुबह 11 बजे रखी गई है।

✲✲✲ शोकाकुल ✲✲✲

तलेसरा परिवार, पारसमल, दिलीप, अशोक, विनोद, सुनील, राजकुमार जितेन्द्र, राहुल, वरुण, रोहन, अश्विन, यश, मोहिल,नरेंद्र पीतलिया, सुरेंद्र पीतलिया एवं समस्त पीतलिया परिवार विदिशा

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में प्रदेश का श्रेष्ठ प्रदर्शन

पिछले तीन वर्षों से मध्यप्रदेश लगातार प्रथम स्थान पर, मुख्यमंत्री डॉ. यादव नेनगरीय निकायों में रेहडी पटरी वालों को और मदद देने के दिए निर्देश

मंदसौर, 05 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये है कि नगरीय क्षेत्र में जरूरतमंद पथ-विक्रेताओं को उनकी जरूरत के मुताबिक ऋण प्रदान करते हुए कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराई जाये। प्रदेश में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में पिछले तीन वर्षों सें श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए मध्यप्रदेश लगातार पहले स्थान पर है। इस योजना में प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में हाथठेला चालकों, रेहड़ी पटरी वालों को 10, 20 और 50 हजार रूपये तक का ऋण प्रदान कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त किया जा रहा है। प्रदेश में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का क्रियान्वयन नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा किया जा रहा है।

तीन वर्षों में श्रेष्ठ प्रदर्शन–मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया है कि प्रदेश में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में पिछले तीन वर्षों में श्रेष्ठप्रदर्शन करते हुए देशभर में पहले स्थान पर अपनी उपस्थिति दर्ज करता आया है। पीएम स्वनिधि योजना में अब तक 12 लाख 30 हजार हितग्राहियों को करीब 1769.16 करोड़ रूपये का ऋण उपलब्ध कराया गया है। वर्तमान में मध्यप्रदेश के 4 लाख 89 हजार पथविक्रेता सफलतापूर्वक डिजिटल लेन-देन कर रहे है। जिसमें उन्हें 21 करोड़ रूपये का कैशबेक भी प्राप्त हुआ है। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के लिये चयनित क्षेत्रों में हितग्राहियों को प्रशिक्षण भी दिलाया जा रहा है। प्रदेश में कोरोना काल के दौरान पूर्व में असंगठित क्षेत्र के पंजीकृत पथ-विक्रेताओं को प्रदेश सरकार की ओर से एक-एक हजार रुपये की अनुदान राशि भी उपलब्ध कराई गई थी। पथ-विक्रेताओं को निकायों द्वारा बैंकों के लिये निरंतर सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

हितग्राहियों को अन्य योजनाओं का भी दिलाया गया लाभ–मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया है कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत प्रदेश के 16 लाख 17 हजार से अधिक पथ-विक्रेताओ कों प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जन-धन योजना, भवन और अन्य निर्माण श्रमिक अधिनियम, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम में एक राष्ट्र-एक राशन कार्ड की भी सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसी के साथ जननी सुरक्षा योजना और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से भी हितग्राहियों को जोड़ा गया है। प्रदेश में पीएम स्वनिधि योजना का क्रियान्व्यन 413 नगरीय निकायों में सफलतापूर्वक कियाजारहा है।

कार्यालय सम्पदा प्रबंधक

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर

नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी रामटेकरी मंदसौर स्थित भवन क्रमांक 21/38 श्रीमती शारदा पाटीदार पति इन्द्रदेव पाटीदार को मण्डल आदेश क्रमांक 2201 दिनांक 22.02.1997 द्वारा नामांतरित किया गया था। उक्त भवन का सेलडीड दिनांक 28.02.1997 एवं लीज नवीनीकरण दिनांक 01.07.2024 को उप- पंजीयक कार्यालय में पंजीबद्ध करवाया गया। श्रीमती शारदा पाटीदार पति इन्द्रदेव पाटीदार द्वारा उक्त भवन का विक्रय श्रीमती गुड्डीबाई पालीवाल पति श्री मनोहरलाल पालीवाल को कर विक्रय पत्र दिनांक 01.08.2024 को इनके पक्ष में निष्पादित करवाया गया था। उक्त विक्रय पत्र एवं प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर भवन का नामांतरण श्रीमती गुड्डीबाई पालीवाल पति श्री मनोहरलाल पालीवाल अपने नाम करवाना चाहती है।

अत: इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्जा हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर उक्त भवन का नामान्तरण श्रीमती गुड्डीबाई पालीवाल पति श्री मनोहरलाल पालीवाल के नाम से कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नही होगा।

सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर (मप्र)

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in